आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक
हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 314 | उज्जैन, शुक्रवार 03 अक्टूबर 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मोबाइल से क्यूआर कोड स्कैन कर लांच किया इंदौर पुलिस का चेटबॉट

इंदौर पुलिस ने बनाया एआई आधारित सायबर सेफ क्लिक चेटबॉट

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विजयादशमी के अवसर पर नागरिकों की सुरक्षा और यातायात सुगमता के लिए इंदौर पुलिस द्वारा तैयार किये गए एआई बेस्ड चेटबॉट सेफ क्लिक को लांच किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने मोबाइल से क्यूआर कोड स्कैन कर आधिकारिक रूप से नागरिकों के लिए यह सेवा प्रारम्भ की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सायबर बचाव के लिए यह अत्याधुनिक तकनीक नागरिकों को सूचना देने और विभिन्न प्रकार की जानकारियां प्राप्त करने में अत्यंत उपयोगी साबित होगी। यह सेवा देने वाला मध्यप्रदेश में इंदौर पहला शहर है। अभी इंदौर पुलिस यातायात और सुरक्षा क्षेत्र में इस तकनीक का भी उपयोग करेगी। आगे इस तकनीक को अन्य क्षेत्र में भी उपयोगी बनाया जाएगा।

पुलिस कमिश्नर श्री संतोष सिंह ने कहा कि एआई आधारित यह चेटबॉट ओपन सोर्स से इनफार्मेशन प्राप्त करेगा। इस चेटबॉट में नागरिक बोलकर या टाइप कर सेवा ले सकेंगे।

कार्यक्रम में सांसद श्री शंकर लालवानी, महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े, पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह, कलेक्टर श्री शिवम वर्मा, नगर निगम आयुक्त श्री दिलीप कुमार यादव, विधायकगण सर्वश्री महेन्द्र हार्डिया, श्रीमती मालिनी गौड़, श्री मधु वर्मा तथा श्री गोलू शुक्ला, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रीना मालवीय, श्री प्रताप करोसिया, श्री सुमित मिश्रा एवं श्री श्रवण चावड़ा सहित अनेक जनप्रतिनिधि विशेष रूप से मौजूद रहे।

कोटा में एक और छात्र ने की आत्महत्या, पीजी के कमरे में फंदे से लटका मिला 20 साल के युवक का शव

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान के कोटा में एक और छात्र के आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने बताया कि दिल्ली का रहने वाला एक 20 वर्षीय छात्र बुधवार को कोटा स्थित अपने पीजी कमरे में फांसी पर लटका हुआ पाया गया।

डीएसपी लोकेंद्र पालीवाल ने बताया कि यह घटना बुधवार शाम विज्ञान नगर थाना क्षेत्र के सेक्टर 2 में घटी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को शवगृह में रखवाया, जहां मृतक के परिवार के सदस्यों के पहुंचने के बाद पोस्टमार्टम किया जाएगा।

डीएसपी ने बताया कि पीजी रूम में मिले दस्तावेजों के आधार पर मृतक की पहचान लकी चौधरी के रूप में हुई है, जो पिछले साल तक एक स्थानीय कोचिंग संस्थान में पढ़ाई कर रहा था, हालांकि उसकी वर्तमान स्थिति का अभी पता नहीं चल पाया है।

दरवाजा तोड़कर निकाला गया शव- चौधरी ने अपना कमरा अंदर से बंद कर रखा था, जिसे पुलिस ने तोड़कर उसके शव को बाहर निकाला। अधिकारी ने बताया कि चौधरी के इस कदम उठाने के पीछे का सटीक कारण अभी पता नहीं चल पाया है।

कराची का रास्ता सर क्रीक से गुजरता है, पाक का भूगोल बदल देंगे; राजनाथ सिंह की चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को चेतावनी दी कि सर क्रीक क्षेत्र में पाकिस्तान के किसी भी दुस्साहस का ऐसा निर्णायक जवाब दिया जाएगा कि इतिहास और भूगोल दोनों बदल जाएंगे।

उन्होंने विजयादशमी के अवसर पर कच्छ में लक्की नाला सैन्य छावनी में आयोजित बहु-एजेंसी क्षमता अभ्यास में भाग लिया और शस्त्र पूजन समारोह में भी भाग लिया। उन्होंने कहा कि भारत ने बार-बार बातचीत के जरिए सीमा विवाद को सुलझाने की कोशिश की है, लेकिन पाकिस्तान के अस्पष्ट इरादे और क्षेत्र के पास हाल ही में सैन्य जमावड़ा चिंताजनक है।

पाकिस्तान की नीयत में खोट- एक सैन्य शिविर में जवानों को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा, ÷आजादी के 78 साल बाद भी सर क्रीक इलाके में सीमा विवाद को हवा दी जा रही है। भारत ने बातचीत के जरिए इसे सुलझाने की कई कोशिशें की हैं, लेकिन पाकिस्तान की नीयत में खोट है, उसकी नीयत साफ नहीं है।

संघ में किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं होता, आरएसएस के कार्यक्रम में बोले रामनाथ कोविंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहा है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) में किसी भी प्रकार की अस्पृश्यता और जातिगत भेदभाव नहीं होता। इस संबंध में फैली निराधार भ्रांति को दूर करने की आवश्यकता है।

ऋस के समारोह में कोविंद चीफ गेस्ट- पूर्व राष्ट्रपति गुरुवार को नागपुर में आरएसएस के परंपरागत विजयादशमी समारोह को संबोधित कर रहे थे। संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर वह इस समारोह में मुख्य अतिथि थे। स्वयं अनुसूचित जाति से आने वाले पूर्व राष्ट्रपति ने वर्ष 2001 में लाल किला परिसर में आयोजित 'दलित संगम रैली' का उल्लेख किया।

उन्होंने कहा कि उस समय मैं अनुसूचित जाति मोर्चा का राष्ट्रीय अध्यक्ष था। तब अटल जी देश के प्रधानमंत्री थे। देश में बहुत से लोग संघ परिवार तथा अटल जी पर दलित विरोधी होने का दुष्प्रचार करते रहते थे। उस रैली को संबोधित करते हुए अटल जी ने उद्घोष किया था कि हमारी सरकार दलितों, पिछड़ों और गरीबों की भलाई के लिए बनी है। हमारी सरकार मनुस्मृति के आधार पर नहीं, बल्कि भीम स्मृति के आधार पर काम करेगी। भीम स्मृति अर्थात भारत का संविधान। उन्होंने यह भी कहा कि हम भीमवादी हैं, अर्थात आंबेडकरवादी हैं।

दुर्गा पूजा के बीच वायरल हुआ शेरनी के वीडियो, मंदिर के सामने यूं बैठी मानो कर रही रखवाली

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात के एक मंदिर के बाहर शेरनी के बैठने का 27 सेकंड का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। भारतीय वन सेवा अधिकारी परवीन कासवान द्वारा शेयर किया गया यह वीडियो नवरात्र के पावन अवसर पर वायरल हुआ है।

इस वीडियो में शेरनी मंदिर के बाहर ऐसी बैठी है मानो वह इस पवित्र स्थान की रखवाली कर रही हो। गुजरात में फिल्माया गया यह वीडियो लोगों को आश्चर्यचकित कर रहा है। परवीन कासवान ने वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा, ÷क्या दिव्य दृश्य है! ऐसा लगता है जैसे यह शेरनी मंदिर की रक्षा कर रही हो। इस वीडियो को अब तक 55,000 से अधिक बार देखा जा चुका है और लोग इसे देखकर भाव-विभोर हो रहे हैं। संरक्षण से मिली सफलता- एशियाटिक शेर (पैंथेरा लियो पर्सिका) कभी विलुप्त होने की कगार पर थे। लेकिन वे अब गुजरात के सौराष्ट्र क्षेत्र में अपनी आबादी बढ़ा रहे हैं। व्यापक वन्यजीव संरक्षण कार्यक्रमों की बदौलत इनकी संख्या 1990 में 284 से बढ़कर 2025 में 891 हो गई है।

स्वदेशी पर भरोसा करने की जरूरत, ट्रंप के थोपे टैरिफ पर क्या बोले मोहन भागवत?

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने आज सुबह भारत के खिलाफ अमेरिका के टैरिफ आक्रामक रुख के प्रमुख मुद्दे पर बोलते हुए कहा कि आयात पर निर्भरता मजबूरी नहीं बननी चाहिए और स्वदेशी या स्वदेशी उत्पादन का कोई विकल्प नहीं है।भागवत नागपुर स्थित आरएसएस मुख्यालय में विजयादशमी के अवसर पर अपना संबोधन दे रहे थे। संघ अपनी स्थापना की शताब्दी भी मना रहा है। इस दौरान मोहन भागवत ने कई अहम बातें कहीं।

समाज में अनुशासन, सेवा और राष्ट्र भावना को बढ़ावा देना, पीएम मोदी ने बताया RSS की नींव का क्या है उद्देश्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100वें स्थापना दिवस के मौके पर संघ की ऐतिहासिक यात्रा और राष्ट्रनिर्माण में इसके योगदान पर अपने विचार साझा किए।

पीएम मोदी ने एक्स, पर पोस्ट करते हुए लिखा, आज से 100 साल पहले विजयादशमी के दिन ही समाज सेवा और राष्ट्र निर्माण के उद्देश्य से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना हुई थी। लंबे कालखंड के दौरान असंख्य स्वयंसेवकों ने इस संकल्प को साकार करने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। इसे लेकर मैंने अपने विचारों को शब्दों में ढालने का प्रयास किया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्लॉग पोस्ट करते हुए लिखा, 100 वर्ष पूर्व विजयदशमी के महापर्व पर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की स्थापना हुई थी। ये हजारों वर्षों से चली आ रही उस परंपरा का पुनर्स्थापन था,जिसमें राष्ट्र चेतना समय-समय पर उस युग की चुनौतियों का सामना करने के लिए,नए-नए अवतारों में प्रकट होती है। इस युग में संघ उसी अनादि राष्ट्र चेतना का पुण्य अवतार है। ये हमारी पीढ़ी के स्वयंसेवकों का सौभाग्य है कि हमें संघ के शताब्दी वर्ष जैसा महान अवसर देखने मिल रहा है।

मैं इस अवसर पर राष्ट्रसेवा के संकल्प को समर्पित कोटि-कोटि स्वयंसेवकों को शुभकामनाएं देता हूं। मैं संघ के संस्थापक, हम सभी के आदर्श, परम पूज्य डॉक्टर हेडगेवार जी के चरणों में श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। संघ की 100 वर्षों की इस गौरवमयी यात्रा की स्मृति में भारत सरकार ने विशेष डाक टिकट और स्मृति सिक्के भी जारी किए हैं।

पीएम ने लिखा, जिस तरह विशाल नदियों के किनारे मानव सभ्यताएं पनपती हैं, उसी तरह संघ के किनारे भी सैकड़ों जीवन पुष्पित-पल्लवित हुए हैं। जैसे एक नदी जिन रास्तों से बहती हैं, उन क्षेत्रों को अपने जल से समृद्ध करती हैं, वैसे ही संघ ने इस देश के हर क्षेत्र, समाज के हर आयाम को स्पर्श किया है। जिस तरह एक नदी कई धाराओं में खुद को प्रकट करती है, संघ की यात्रा भी ऐसी ही है।

संघ के अलग-अलग संगठन भी जीवन के हर पक्ष से जुड़कर राष्ट्र की सेवा करते हैं। शिक्षा, कृषि, समाज कल्याण, आदिवासी कल्याण,महिला सशक्तिकरण, समाज जीवन के ऐसे कई क्षेत्रों में संघ निरंतर कार्य करता रहा है।

सूचना

दशहरे पर्व के चलते दैनिक हिन्दकुश कार्यालय में 3अक्टूबर को अवकाश रहेगा, अगला अंक 5 अक्टूबर को प्रकाशित किया जाएगा।

... संपादक

ब्रिटेन ने सख्त की इमिग्रेशन पॉलिसी, अब ब्रिटिश नागरिक बनने के लिए पूरी करनी होगी ये शर्तें

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के बाद ब्रिटेन सरकार भी आव्रजन पर सख्त नियम लागू करने जा रहा है। बुधवार को एक सरकारी आदेश के मुताबिक ब्रिटेन अब उन सभी प्रवासियों को देश में बसने और परिवार के साथ रहने का अधिकार नहीं देगा, जिन्हें देश में शरण दी गई है।

लेबर सरकार, पॉपुलिस्ट रिफॉर्म यूके पार्टी के समर्थन को रोकने के लिए अपनी आव्रजन नीतियों में बदलाव कर रही है। सरकार विशेष रूप से छोटी नावों से फ्रांस की ओर से अवैध रूप से आने वाले प्रवासियों की संख्या को कम करने पर जोर दे रही है। वर्तमान नियम के मुताबिक शरणार्थी का दर्जा प्राप्त करने वाले प्रवासी पांच सालों के बाद स्थायी निवास के लिए एलिजिबल हो सकते हैं। वहीं नए प्रस्ताव के तहत स्थायी निवास की कोई गारंटी नहीं होगी, इसके लिए एक लंबी प्रकिया को मंजूरी दी गई जिसमे व्यक्ति को देश के लिए विशेष योगदान देना भी शामिल होगा।

अवैध प्रवासियों पर लगेगा अंकुश- सरकार ने एक बयान में कहा, इस बदलावों से अवैध रूप से आने वाले घुसपैठियों पर कई हद तक अंकुश लगेगा, जो छोटी नावों से चैनल पार कर ब्रिटेन में आते हैं। यह योजना सोमवार को गृह मंत्री शबाना महमूद द्वारा सभी प्रवासियों के लिए निर्धारित कठोर निपटान नियमों पर आधारित है।

ब्रिटिश नागरिक बनने के लिए सख्त हुआ नियम- नए प्रस्ताव के तहत आवेदन करने वालों के लिए, सामाजिक सुरक्षा योगदान देना, उनका आपराधिक रिकॉर्ड साफ होना, अंग्रेजी बोलना और अपने समुदायों में स्वयंसेवा करना शामिल था। सरकार ने यह भी कहा है कि वह स्थायी निवास के लिए योग्यता अवधि को दोगुना करके 10 साल कर देगी।

शरणार्थियों को अपने परिवारों को ब्रिटेन लाने का नहीं मिलेगा अधिकार- बुधवार की घोषणा में यह भी कहा गया कि शरणार्थियों को अपने परिवारों को ब्रिटेन लाने का अधिकार भी नहीं मिलेगा। सरकार ने सितंबर में ऐसे पारिवारिक पुनर्मिलन आवेदनों को रद्द कर दिया है।

सरकार ने कहा कि शरणार्थियों को उनके मूल देशों में वापस नहीं भेजा जाएगा और उन्हें ÷मूल सुरक्षा÷ का अधिकार होगा। हालांकि, सरकार ने यह नहीं बताया कि इन शर्तों को पूरा करने वाले शरणार्थियों को निवास के लिए अर्हता प्राप्त करने के लिए कितने समय तक इंतज़ार करना होगा? सरकार ने कहा कि परिवर्तनों के बारे में आगे का विवरण इस साल के अंत में दिया जाएगा।

बांग्लादेश में हथकड़ी पहने पूर्व मंत्री की मौत, यूनुस सरकार पर मानवाधिकारों के उल्लंघन का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। जेल में बंद बांग्लादेश के पूर्व उद्योग मंत्री नूरुल मजद महमूद हुमायूं का सोमवार सुबह ढाका मेडिकल कॉलेज में निधन हो गया। नूरुल मजद महमूद हुमायूं के मौत से बांग्लादेश की यूनुस सरकार मानवाधिकार उल्लंघन के आरोपों के घेरे में है।

दरअसल, आवामी लीग के नेता नूरुल मजद महमूद हुमायूं का मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया। महमूद हुमायूं की मृत्य के बाद उनकी हथकड़ी लगी हुई तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं। हथकड़ी लगाए जाने को लेकर मानवाधिकार कार्यकर्ताओं और कानूनी विशेषज्ञों में व्यापक आक्रोश और निंदा फैल गई।

हथकड़ी पहनाना अमानवीय - मानवाधिकार कार्यकर्ता नूर खान लिटन ने प्रमुख बांग्लादेशी दैनिक, द बिज़नेस स्टैंडर्ड को बताया, ÷किसी मरते हुए या मृत व्यक्ति को हथकड़ी पहनाना अमानवीय और मानवाधिकारों का घोर उल्लंघन है।

साल 2024 में हुई थी तोड़फोड़- गौरतलब है कि साल 2024 में बांग्लादेश में छात्रों के नेतृत्व वाले विरोध प्रदर्शनों के दौरान हत्या और तोड़फोड़ हुई। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को पद से हटाए जाने के बाद मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार बनी। तोड़फोड़ और हत्या के मामले में नूरुल मजद महमूद हुमायूं को ढाका में रैपिड एक्शन बैटालियन (आरएबी) ने हिरासत में लिया था।

इस दौरान ढाका पुलिस की डिटेक्टिव ब्रांच ने आवामी लीग के 13 नेताओं को गिरफ्तार किया। इनमें से अबू बकर सिद्दीकी मुनना की पुलिस हिरासत में पिछ्ले सप्ताह की मौत हो गई। वहीं, अब नूरुल की मौत से मुहम्मद यूनुस सरकार मानवाधिकार उल्लंघन के आरोपों के घेरे में है।

हथकड़ी वाली तस्वीरें हुई वायरल- अस्पताल में नूरुल की इलाज के दौरान हथकड़ी वाली जो तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुई हैं। उसको लेकर जेल अधिकारियों का कहना है कि ये तस्वीरें उनके अस्पताल में भर्ती होने के शुरुआती दौर की हैं। जेल अधिकारियों ने कहा- वे हमेशा हर कैदी के मानवाधिकारों और सम्मान की रक्षा के लिए जिम्मेदारी से काम करते हैं। नूरुल के मामले में कोई विवाद नहीं है।

मानवाधिकार कार्यकर्ता ने की आलोचना- हालांकि, वकीलों और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने इस अधिनियम को मानवीय गरिमा का घोर उल्लंघन बताया।

रोजाना करोड़ों डॉलर का घाटा, वर्कफोर्स को भी बड़ा झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में सरकारी कामकाज ठप हुए 24 घंटे बीत चुके हैं, लेकिन राजनीतिक गतिरोध का कोई हल नहीं निकल रहा है।

रिपब्लिकन और डेमोक्रेट्स के बीच स्वास्थ्य बीमा सब्सिडी को लेकर तीखी जंग छिड़ी है। इस वजह से लाखों सरकारी कर्मचारियों को बेरोजगार कर दिया और पेनसिल्वेनिया के लिबर्टी बेल से लेकर हवाई के पर्ल हार्बर तक के ऐतिहासिक स्थलों को बंद करवा दिया है।

डेमोक्रेट्स का कहना है कि अफोर्डेबल केयर एक्ट की सब्सिडी जरूरी है ताकि बीमा प्रीमियम न बढ़े, जबकि रिपब्लिकन इसे आप्रवासन और स्वास्थ्य सेवा से जुड़ा हैंडआउट बताकर खारिज कर रहे हैं।

इस टकराव में राष्ट्पति डोनल्ड ट्रंप ने डेमोक्रेट्स पर अमेरिकी जनता को बंधक बनाने का आरोप लगाया है। दूसरी ओर, डेमोक्रेट्स का कहना है कि ट्रंप जनता को मोहरे की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं। कोई समझौता न होने से सरकारी फंडिंग खत्म हो गई और देश एक बार फिर शटडाउन की चपेट में है।

ताइवान पर चीन करेगा वार, रूस बना मददगार; 800 पन्नों की रिपोर्ट में खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। लंदन स्थित एक स्वतंत्र थिंक टैंक रॉयल यूनाइटेड सर्विसेज इंस्टीट्यूट ने 800 पेज के लीक दस्तावेजों का खुलासा किया है। इसमें रूस और चीन के बीच सैन्य सहयोग की चौंकाने वाली तस्वीर पेश करते हैं।

इन दस्तावेजों के अनुसार, रूस, चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी को हथियार और प्रशिक्षण देकर ताइवान पर संभावित हमले की तैयारी में मदद कर रहा है। यह खुलासा 23 मिलियन लोगों के स्व-शासित द्वीप ताइवान के लिए खतरे की घंटी है। इस इलाके को चीन अपना बताता रहा है। रूस ने अभी तक इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

दस्तावेजों से पता चलता है कि 2023 में रूस ने चीन को हमलावर वाहन, टैंक-रोधी तोपें और हवाई बख्तरबंद कर्मी वाहक बेचने का समझौता किया। ये वाहन चीनी विशिष्टताओं के अनुसार तैयार किए जाएंगे और रूस चीनी विशेष पैराट्रूपर बटालियन को इनके इस्तेमाल का ट्रेनिंग भी देगा। इसके अलावा, रूस ऐसी तकनीकों को ट्रांसफर करेगा, जिनसे चीन समान हथियार बना सके।

यह सहयोग चीन की हवाई युद्ध क्षमताओं को मजबूत करेगा, जहां मॉस्को की सैन्य विशेषज्ञता अभी भी क्क्र से बेहतर है।

25 साल बाद ब्रिटिश-पाकिस्तानी को 35 साल की सजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। ब्रिटेन के रोचडेल में एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। ब्रिटिश-पाकिस्तानी मूल के मोहम्मद जाहिद को दो नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण और रेप के 20 अपराधों के लिए 35 साल की सजा सुनाई गई है।

जाहिद के साथ उसके छह अन्य साथियों को भी 174 साल की संयुक्त सजा दी गई है। यह मामला लगभग 25 साल पुराना है। इसमें ग्रेटर मैनचेस्टर पुलिस की जांच के बाद सात पुरुषों को दोषी ठहराया गया। इन अपराधियों ने 2001 से 2006 के बीच दो गरीब लड़कियों को निशाना बनाया। उन्हें शराब और ड्रग्स देकर बार-बार यौन शोषण किया।

मैनचेस्टर मिनशुल स्ट्रीट क्राउन कोर्ट ने जाहिद को 13 साल की उम्र की लड़कियों को बहला-फुसलाकर, शराब और ड्रग्स का लालच देकर और फिर अन्य पुरुषों द्वारा उनके साथ दुर्व्यवहार करवाने का दोषी पाया। पीड़ित लड़कियां जाहिद को बॉसमैन कहती थीं। वह रोचडेल मार्केट में एक स्टॉल चलाता था।

कमजोर लड़कियों को बनाया निशाना- जांच में शामिल ग्रेटर मैनचेस्टर पुलिस के वरिष्ठ जांच अधिकारी डिटेक्टिव चीफ इंस्पेक्टर गाय लैकॉक ने कहा, इन सात पुरुषों ने कमजोर लड़कियों की मजबूरी का फायदा उठाया और अपनी बीमार मानसिकता को पूरा करने के लिए उनका शोषण किया। यह गिरोह बिना किसी पछतावे के अपने जघन्य कृत्यों को अंजाम देता रहा।

दोनों पीड़ित लड़कियां पहले से ही सामाजिक सेवाओं के संपर्क में थीं और कमजोर पारिवारिक पृष्ठभूमि से थीं। जाहिद और उसके साथियों ने उन्हें पैसे, उपहार, शराब और ड्रग्स का लालच देकर अपने जाल में फंसाया। इसके बाद इन लड़कियों का बार-बार बलात्कार और यौन शोषण किया गया।

इंडोनेशिया स्कूल हादसा: 59 छात्रों के बचने की उम्मीदें खत्म, चार दिन बाद भी रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडोनेशिया के जावा द्वीप पर एक बोर्डिंग स्कूल की इमारत के अचानक ढह जाने से 59 लोग लापता हैं और अब बचावकर्मियों ने मलबे में जिंदगी के कोई संकेत न मिलने की बात कही है। सोमवार को दोपहर की नमाज के लिए जमा हुए छात्रों के बीच यह हादसा हुआ, जिसमें कम से कम पांच लोगों की मौत हो चुकी है। चार दिन बाद भी बचाव कार्य जारी है, लेकिन अब उम्मीदें धूमिल हो रही हैं।

स्थानीय निवासियों ने प्रभावित परिवारों को अपने घरों में ठहरने की पेशकश की है। 28 साल के मौलाना बायू रिज्की प्रतामा अपने 17 साल के भाई की तलाश में दिन-रात डटे हैं। उन्होंने कहा, मैं चार दिन से यहां हूं, उम्मीद है मेरा भाई जिंदा मिले।

मुश्किल रेस्क्यू ऑपरेशन- बचाव कार्य बेहद जटिल है, क्योंकि मलबे में कंपन से अन्य हिस्से प्रभावित हो सकते हैं। राष्ट्रीय खोज और बचाव एजेंसी के प्रमुख मोहम्मद स्याफी ने बताया कि पीड़ितों तक पहुंचने के लिए भूमिगत सुरंग खोदनी पड़ रही है, जो केवल 60 सेंटीमीटर चौड़ी होगी। थर्मल ड्रोन्स का उपयोग किया जा रहा है, लेकिन 72 घंटे का गोल्डन पीरियड खत्म होने से बचाव की संभावनाएं कम हो रही हैं।

परिजनों ने गुरुवार को भारी उपकरणों के इस्तेमाल की सहमति दी, लेकिन सावधानी बरतने की शर्त रखी।

डायन अपने ही लोगों को मार रही है, पीओके में पाक सेना की कार्रवाई पर फूटा लोगों का गुस्सा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में चल रहे नागरिक विद्रोह के बीच एक भाषण में अवामी एक्शन कमेटी (एएसी) के वरिष्ठ नेता शौकत नवाज मीर ने पाकिस्तानी सेना और सरकार की तुलना लोगों को मारने पर तुली एक डायन से की और उन पर उसी आबादी को कुचलने का आरोप लगाया जिसका वे प्रतिनिधित्व करने का दावा करते हैं।

उन्होंने घोषणा की कि तथाकथित आजाद कश्मीर बिल्कुल भी आजाद नहीं है, बल्कि दशकों के शोषण और दमन की जंजीरों में जकड़ा हुआ है। मीर का इस्लामाबाद और रावलपिंडी पर तीखा हमला ऐसे समय में आया है जब पीओके में विरोध प्रदर्शन तेज हो रहे हैं, जहां नागरिक न्याय, बुनियादी अधिकारों और व्यवस्थागत उत्पीड़न के खात्मे की मांग कर रहे हैं। उन्होंने हजारों प्रदर्शनकारियों से कहा, हमारा संघर्ष किसी एक व्यक्ति के खिलाफ नहीं, बल्कि पूरी व्यवस्था के खिलाफ है। यह जनता का संघर्ष है, यह आपका संघर्ष है और यह हम सबका संघर्ष है। हम सब मिलकर इस व्यवस्था के खिलाफ आवाज उठाएंगे। पीओजेके में नागरिक समाज की अनिश्चितकालीन हड़ताल और विरोध प्रदर्शन चल रहा है। पाकिस्तानी सेना ने कम से कम 12 नागरिकों को मार डाला और 200 से अधिक को घायल कर दिया। पाकिस्तानी रेंजर्स और इस्लामाबाद पुलिस की गोलीबारी में तीन पुलिसकर्मी भी मारे गए और नौ अन्य घायल हो गए।

क्या है पर्सनैलिटी राइट? जिसकी सुरक्षा के लिए कोर्ट पहुंचे बॉलीवुड सितारे

नई दिल्ली (एजेंसी)। सेलिब्रिटीज की तस्वीर, आवाज और स्टाइल का गलत इस्तेमाल बढ़ा है। टेक्नोलॉजी की प्रगति और एआई की मदद से डीपफेक वीडियो और ऑडियो बनाना आसान और सस्ता हो गया है।

ऐसे में कई मशहूर हस्तियों ने अपनी पर्सनैलिटी राइट्स की रक्षा के लिए कोर्ट की शरण ली है। जानते हैं क्या है ये अधिकार और यह विषय चर्चा में क्यों है?

पर्सनैलिटी राइट्स क्या होते हैं- पर्सनैलिटी राइट्स किसी भी इंसान की तस्वीर, नाम, आवाज, हस्ताक्षर, स्टाइल या कैचफ्रेज (बोलने के अंदाज, स्टाइल या शैली) जैसी पहचान को बिना इजाजत इस्तेमाल करने से बचाते हैं। ये अधिकार कानून में अलग से दर्ज नहीं हैं, लेकिन अदालतें इन्हें गोपनीयता (प्राइवेसी), मानहानि और प्रचार अधिकारों से जोड़कर सुरक्षा देती हैं।

देश में इससे जुड़े कई एक्ट हैं। कॉपीराइट एक्ट 1957 कलाकारों को अपने प्रदर्शन पर एक्सक्लूसिव और नैतिक अधिकार देता है। ट्रेड मार्क्स एक्ट 1999ः नाम, हस्ताक्षर, टैगलाइन या कैचफ्रेज को ट्रेडमार्क कराया जा सकता है। अगर किसी का नाम या स्टाइल बिना अनुमति ब्रान्ड बेचने में इस्तेमाल हो रहा है, तो इसे रोकने का अधिकार है।

किसने नाम को ट्रेडमार्क कराया - अभिषेक-ऐश्वर्या राय बच्चन (सितंबर 2025) एआई से बनाई गई नकली कंटेंट और म्रर्चेंडाइज पर रोक। करण जौहर (सितंबर 2025)ः डीपफेक, मॉर्फिंग और डिजिटल मैनिपुलेशन पर रोक गायक अरिजीत सिंह (2024) ः बॉम्बे हाई कोर्ट ने उनकी आवाज के एआई क्लोनिंग पर रोक लगाई। अमिताभ बच्चन, अनिल कपूर, जैकी श्रॉफ पहले ही पर्सनैलिटी राइट्स सुरक्षित करवा चुके हैं।

एक नकारात्मक टिप्पणी ही जज के जबरन रिटायरमेंट के लिए काफी

गुजरात हाई कोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा है कि किसी न्यायाधीश के खिलाफ एक भी प्रतिकूल टिप्पणी या उसकी ईमानदारी पर सवाल उठना अनिवार्य सेवानिवृत्ति के लिए पर्याप्त है। कोर्ट ने साफ किया कि न्यायाधीश को पूर्ण ईमानदार और उच्च नैतिक मूल्यों वाला होना चाहिए, क्योंकि वह जनता के विश्वास का पद संभालता है।

यह टिप्पणी मंगलवार को जस्टिस ए.एस. सुपेहिया और एल.एस. पिरजादा की खंडपीठ ने दी, जब उन्होंने 2016 में 18 सत्र न्यायाधीशों के साथ अनिवार्य रूप से सेवानिवृत्त किए गए जे.के. आचार्य की याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि अनिवार्य सेवानिवृत्ति कोई सजा नहीं है, बल्कि यह जनहित में लिया गया फैसला है। इसके लिए न्यायाधीश को शो-कॉज नोटिस जारी करना भी जरूरी नहीं है। आचार्य ने 2016 में हाई कोर्ट के पूर्ण कोर्ट के फैसले को चुनौती दी थी।

एक टिप्पणी ही काफी, सबूत जरूरी नहीं- हाई कोर्ट ने कहा कि किसी न्यायाधीश की सामान्य प्रतिष्ठा के आधार पर भी उसे अनिवार्य रूप से सेवानिवृत्त किया जा सकता है, भले ही उसके खिलाफ ठोस सबूत न हों।

प्रेमी को घर बुलाया था मिलने, पिता आया तो दोनों कुएं में कूद गए

नई दिल्ली (एजेंसी)। जिले के पाली थाना अंतर्गत ग्राम चांदपुर में बुधवार रात एक दर्दनाक घटना ने पूरे गांव को स्तब्ध कर दिया। यहां नाबालिग प्रेमी युगल ने कुएं में कूदकर आत्महत्या कर ली। घटना रात 8 से 9 बजे के बीच की बताई जा रही है। अचानक हुई इस वारदात से गांव में सन्नाटा छा गया और दोनों परिवारों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा।

इस तरह हुई घटना- जानकारी के अनुसार लड़की घर पर अकेली थी और उसने अपने प्रेमी को बुलाया था। दोनों बातचीत कर ही रहे थे कि तभी लड़की का पिता लौट आया। पिता को देखते ही घबराई लड़की घर के पीछे बने कुएं में कूद गई। प्रेमिका को डूबते देख लड़के ने भी कुएं में छलांग लगा दी। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

प्रेम-प्रसंग- प्रथम दृष्टया मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा माना जा रहा है। पुलिस थाना प्रभारी राजेश सिंह मिश्रा ने बताया कि ÷फिलहाल मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिजनों के बयान के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी। घटना के बाद से गांव में शोक का माहौल है। ग्रामीणों का

मूर्ति विसर्जन के दौरान तालाब में डूबने से युवक की मौत, परिजनों ने अस्पताल में किया हंगामा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजगढ़ के समीपस्थ ग्राम बाल्दिया में देवीजी की मूर्ति विसर्जन के दौरान नेवज नदी में डूबने से गांव के ही बनवारी पिता रामचंद्र वर्मा 22 वर्ष की मौत हो गई।घटना के बाद जिला अस्पताल लाया गया।जहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।अस्पताल में डाक्टरों पर लापरवाही के आरोप लगाते हुए परिजनों ने हंगामा किया है।परिजनों का कहना था कि ठीक से उपचार नहीं किया गया, जिससे मौत हो गई।

जानकारी के मुताबिक नवरात्र के समापन के बाद गुरूवार को बनवारी बालदिया में ही नेवज नदी में देवीजी की मूर्तियों का विसर्जन करने के लिए गया था।मूर्ति विसर्जन करने के दौरान बनवारी नदी के गहरे पानी में चला गया। पानी अधिक होने के कारण वह अपने आप को बचा नहीं सका और देखते ही देखते पानी में डूब गया।ग्रामीणों द्वारा उसे नदी से बाहर निकाला।

सुबह करीब 10 बजे राजगढ्ढ़ कोतवाली को सूचना मिली की बाल्दिया में एक युवक नेवज नदी में मूर्ति विसर्जन के दौरान डूब गया। इसके बाद उसे जिला अस्पताल राजगढ़ लाया गया। जहां डयूटी डाक्टर ने उसका परिक्षण किया। जांच के बाद बनवारी को मृत घोषित कर दिया।घटना के बाद चिकित्सकों ने शव का पीएम किया।

लापरवाही के आरोप लगाकार किया हंगामा- जिला अस्पताल में जैसे ही युवक को मृत घोषित किया गया तो परिजनों व ग्रामीणों ने अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही के आरोप लगाए। उनका कहना था कि युवक प्रोपर तरीके से उपचार नहीं किया गया। समय पर सही उपचार किया गया होता तो आज बनवारी उनके बीच में होता।लेकिन उपचार नहीं मिलने के कारण उसकी मौत हो गई।

कर्नाटक और आंध्र प्रदेश के बीच आर्थिक वर्चस्व की लड़ाई, खड़गे ने बताया 2035 तक कितनी होगी बेंगलुरू की GDP

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक सरकार के मंत्री प्रियांक खड़गे ने आंध्र प्रदेश के मंत्री नारा लोकेश पर तीखा हमला बोला। प्रियांग ने लोकेश के प्रयासों की तुलना को कमजोर बताते हुए बेंगलुरु के आर्थिक वर्चस्व पर जोर दिया। खड़गे ने आंध्र प्रदेश द्वारा निवेश आकर्षित किए जाने के प्रयासों की तुलना कमजोर पारिस्थितिकी तंत्र से की। दरअसल, आंध्र प्रदेश के मंत्री नारा लोकेश ने एक्स पर किए एक पोस्ट में कहा कि उत्तर दिशा अच्छी लगती है। थोड़ा और उत्तर में अनंतपुर है... जहां हम एक विश्वस्तरीय एयरोस्पेस और रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र बना रहे हैं! इस दौरान उन्होंने कहा, अनंतपुर बेंगलुरु के करीब है और इसे शहर की भीड़भाड़ से तंग आ चुकी कंपनियों के लिए एक विकल्प के रूप में पेश किया।

बेंगलुरु की जीडीपी 8.5 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान- इसके जवाब में कर्नाटक के मंत्री प्रियांग खड़गे ने कहा कि बेंगलुरु की जीडीपी 2035 तक 8.5 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है और शहर का प्रॉपर्टी बाजार 2025 में 5 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है। खड़गे ने तीखी टिप्पपणी करते हुए लोकेश से पूछा- वह जीव जो किसी अन्य प्रजाति के जीव में या उस पर रहता है और दूसरे की कीमत पर पोषक तत्व प्राप्त करके लाभ उठाता है, उसे क्या कहते हैं?

इसमें कुछ भी गलत नहीं है- गौरतलब है कि दक्षिण भारत में औद्योगिक निवेश और आर्थिक प्रतिष्ठा के लिए चल रही लड़ाई में दोनों राज्यों के मंत्रियों के बीच यह सबसे उग्र व्यक्तिगत बातचीत है। प्रियांग खड़गे ने लोकेश पर तीखा हमला करते हुए कहा, ÷कमजोर पारिस्थितिकी तंत्रों का मजबूत पारिस्थितिकी तंत्रों से पोषण प्राप्त करना स्वाभाविक है। इसमें कुछ भी गलत नहीं है, लेकिन जब यह हताशापूर्ण सफाई में बदल जाता है, तो यह मजबूती से ज्यादा कमजोरी दर्शाता है।

आरएसएस एक मजबूत राष्ट्र का निर्माण करना चाहता है, केरल के पूर्व डीजीपी जैकब थॉमस संघ में हुए शामिल

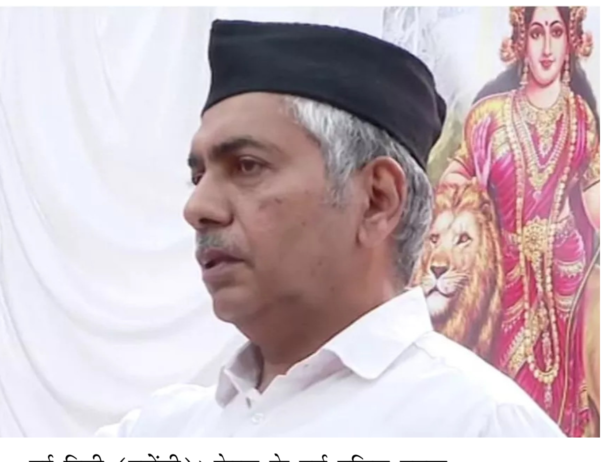

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल के पूर्व पुलिस प्रमुख जैकब थॉमस स्वयंसेवी संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) में पूर्णकालिक प्रचारक के रूप में शामिल हो गए हैं।

महानवमी के अवसर पर, 1 अक्टूबर को थॉमस ने पल्लिक्करा में संगठन के एक कार्यक्रम में पारंपरिक आरएसएस गणवेश पहनकर भाग लिया। कार्यक्रम में बोलते हुए, पूर्व डीजीपी ने कहा कि आरएसएस का उद्देश्य सांस्कृतिक रूप से सशक्त व्यक्तियों का निर्माण करना है।

जैकब थॉमस ने क्या कहा- उन्होंने कहा, हमारे बीच ऐसे और अधिक व्यक्तियों के आने से समाज मजबूत होगा और इससे राष्ट को मजबूती मिलेगी। इसलिए, आरएसएस व्यक्तियों के माध्यम से एक मजबूत राष्ट का निर्माण करना चाहता है।

2021 में थामा था बीजेपी का दामन- उन्होंने यह भी कहा कि आरएसएस में कोई जाति, धर्म, भाषा या क्षेत्रीय गुटबाजी नहीं है। थॉमस, केरल में सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (वीएसीबी) के पूर्व निदेशक भी रहे हैं, 2021 में भाजपा में शामिल हुए थे और रिपोर्टों के अनुसार, हाल ही में उन्होंने संगठन में शामिल होने के अपने फैसले की घोषणा की थी। पिछले साल केरल कैडर की पहली महिला आईपीएस अधिकारी और पूर्व डीजीपी आर श्रीलेखा भाजपा में शामिल हुई थीं। इनके अलावा पूर्व डीजीपी टी पी सेनकुमार भी संघ परिवार से जुड़ गए हैं।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
हिन्दकुश
info@hindkush.in
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
जागृयाम
info@jagrayam.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

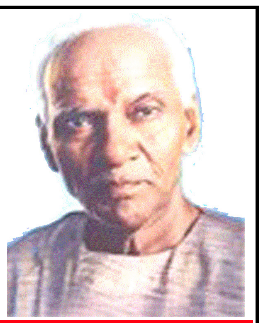

विक्रम संवत 2079 शुक्ल एकादशी

संपादकीय

भारत में अपराध का स्वरूप पिछले कुछ वर्षों में तेज़ी से बदल रहा है....

भारत में अपराध का स्वरूप पिछले कुछ वर्षों में तेज़ी से बदल रहा है। पारंपरिक हिंसक, अपराधों में जहाँ कुछ गिरावट देखी जा रही है,वहीं तकनीक आधारित अपराध, विशेषकर साइबर अपराध, उभरकर सामने आ रहे हैं और आम नागरिकों के लिए नए-नए खतरे पैदा कर रहे हैं।30 सितंबर 2025 को जारी अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) रिपोर्ट 2023 के आँकड़ों ने इस बदलाव की भयावहता को स्पष्ट कर दिया है-पूरे देश में साइबर अपराधों की संख्या में एक वर्ष में लगभग 31फ़ीसदीं की लगाकर 86,420 मामले दर्ज किए गए हैं,यह केवल आँकड़ा नहीं,बल्कि डिजिटल युग में भरोसे की टूटन और संस्थागत तैयारियों की कमज़ोरी का प्रतीक भी है। यह भी देखा गया है कि राष्ट्रीय औसत के पीछे राज्यों की असमान भागीदारी है-कुछ राज्य (विशेषकर कर्नाटक और तेलंगाना) में केसों की भारी तादाद है।कर्नाटक में21,889 और तेलंगाना में 18,236 साइबर अपराध दर्ज किए गए; पाँच राज्यों,कर्नाटक, तेलंगाना, उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र और बिहार,ने मिलकर लगभग तीन- चौथाई साइबर मामलों का बोझ उठाया। जनसंख्या के अनुपात में तेलंगाना शीर्ष पर है, जहाँ प्रति लाख आबादी पर 47.8 मामले दर्ज हुए, जबकि राष्ट्रीय दर 6.2 प्रति लाख तक पहुँच गई (2022 में 4.8 थी)। इन आँकड़ों से यह स्पष्ट होता है कि समस्या न केवल संख्यात्मक है, बल्कि भौगोलिक रूप से भी केंद्रीकृत है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं कि शहरी और सार्वजनिक स्थानों पर होने वाले पारंपरिक चोरियों के तरीके आज अधिक परिष्कृत और नेटवर्केड बन गए हैं। मोबाइल-चोरी जेबक़ाट और भीड़ में हाथ साफ कर देने जैसे अपराध अब केवल एक व्यक्ति की चालाकी नहीं रहे; ये अक्सर रैकेट, तकनीक और सोशल इंजीनियरिंग की मिली-जुली रणनीतियों पर आधारित होते हैं। मैंने स्वयं अनुभव किया कि जैसे हैदराबाद/सिकंदराबाद लोकल बसों में जेबकाट की घटनाएँ मेरे सामने हुई, इसी बदलते परिदृश्य का स्थानीय अनुभव हैं जहाँ अपराधी भीड़, ट्रैफ़िक और यात्रियों की निरक्षरता का लाभ उठाकर कम समय में बड़ी वारदात कर लेते हैं।तकनीक का दुरुपयोग बड़े पैमाने पर आर्थिक नुक़सान के लिए हो रहा है, और इसका सीधा असर उन नागरिकों पर पड़ रहा है जो डिजिटल सर्विसेज, नेट-बैंकिंग और मोबाइल वॉलेट का उपयोग करते हैं।

साथियों बात अगर हम क्यों बढ़ रहे हैं मोबाइल-चोरी और साइबर अपराध? इसको समझने की करें तो (क) डिजिटल पैंठ इंटरनेट- बैंकिंग,यूपी-आई,मोबाइल-वॉलेट ई-कॉमर्स और रिमोट-वर्क में तेजी से वृद्धि ने अधिक लेन-देन और डिजिटल पहचान के टुकड़ों की उपलब्धता बढ़ा दी,जो क्रिमिनल्स के लिए फायदा है।(ख)सोशल इंजीनियरिंग और धोखाधड़ी- लोगों की भरोसेमंदी और डिजिटल साक्षरता में कमी का फायदा उठाकर फ़िशिंग, वॉइस-फिशिंग और नकली वेबसाइट/ऑप-ऐप के जरिए पैसे निकाल लिए जाते हैं। (ग) भीड़ और सार्वजनिक परिवहन का अवसर-लोकल बसों, ट्रेन प्लेटफार्मों, भीड़-भाड़ वाले बाजारों में अपराधी हाथ की सफाई बड़ी तेज़ी से करते हैं,पीड़ित को महसूस होने पर तक़रीबन बहुत देर हो चुकी होती है।मेरा हैदराबाद-लोकल अनुभव की तर्ज़ पर ऐसे कई स्थानों पर अपराधी एकदम चुपके से मोबाइल या नकद निकाल लेते हैं। (घ) लॉ इम्प्लीमेंटेशन - गैप-पुलिस और नियामक संस्थाओं की डिजिटल- विशेषज्ञता फास्ट-ट्रेसिंगक्षमता और क्रॉस-जुरिस्डिक्शनल समन्वय सीमित हैं, जिससे अपराधी अक्सर राज्यों के परे जाकर अलग-अलग तरीके अपनाकर बच निकलते हैं।(ङ) आर्थिक-सामाजिक कारण- बेरोज़गारी, असमानता और अपराध नेटवर्क की पेशेवर संरचना भी इस बढ़ती प्रवृत्ति के पीछे है,अपराधी छोटे-छोटे व्यक्तिगत अपराध से संगठनात्मक नेटवर्क तक विकसित हो रहे हैं।

वन्यजीव सप्ताह

वन्यजीव सप्ताह प्रतिवर्ष भारत में 2 अक्टूबर से 8 अक्टूबर तक मनाया जाता है। केंद्र व राज्य सरकारों, पर्यावरणविदों, कार्यकर्ताओं, शिक्षकों आदि द्वारा लोगों में वन्यजीवों के संरक्षण के प्रति जागरूकता में तेज़ीलाने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। भारत में विभिन्न प्रजातियों का विशाल भण्डार है, इसलिए भी भारत में कई सम्मेलनों, जागरूकता कार्यक्रमों और प्रकृति प्रेमियों के बीच सार्वजनिक बैठकों का आयोजन किया जाता है। स्कूलों और शिक्षण संस्थानों में बच्चों के लिए वन्यजीवों से संबंधित निबन्ध लेखन, चित्रकला, संभाषण, फ़िल्म स्क्रीनिंग आदि प्रयोगिताओं का आयोजन किया जाता है।

शुरुआत

वन्य जीवन प्रकृति की अमूल्य देन है। भविष्य में वन्य प्राणियों की समाप्ति की आशंका के कारण भारत में सर्वप्रथम 7 जुलाई, 1955 को %वन्य प्राणी दिवस% मनाया गया। यह भी निर्णय लिया गया कि प्रत्येक वर्ष 2 अक्तूबर से पूरे सप्ताह तक वन्य प्राणी सप्ताह मनाया जाएगा। वर्ष 1956 से वन्य प्राणी सप्ताह मनाया जा रहा है। भारत के संरक्षण कार्यक्रम की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक मज़बूत संस्थागत ढांचे की रचना की गयी है।

उद्देश्य

भारत में वन्यजीव सप्ताह मनाये जाने के निम्न प्रमुख उद्देश्य हैं-

प्रत्येक समुदायों व परिवारों को प्रकृति से जोड़ना।

मानव के अंदर संरक्षण की भावना पैदा करना।

वन्यजीव व पर्यावरण की सुरक्षा के लिए जागरूक रहना।

इस अभियान की उद्देशिका यह है कि हमें हमेशा प्रत्येक वन्यप्राणी, पशु-पक्षियों और पौधों को पूर्ण रूप से सुरक्षा प्रदान करना चाहिए। इसके लिए केन्द्र सरकार ने कुछ क्षेत्रों को अभयारण्य या राष्ट्रीय उद्यान के रूप में भी घोषित किया है। सरकार ने अधिनियम के तहत सभी जंगली जानवरों और पक्षियों आदि के शिकार पर रोक लगाई। सरकार द्वारा लगाए गए प्रतिबंध के उल्लंघन के लिए दंड का प्रावधान भी रखा गया। प्रकृति के अनुसार मानव, पर्यावरण और वन्यजीव एक-दूसरे से किसी न किसी रूप में जुड़े हुए हैं। मानव शरीर व मस्तिष्क को स्वस्थ रखने, शुद्ध ऊर्जा प्राप्त करने के लिये पर्यावरण को शुद्ध व साफ सुथरा रखना बेहद ही ज़रूरी है। पर्यावरण से ही मानव का जीवन सम्भव है और पर्यावरण को शुद्ध व साफ-सुथरा रखना है तो वन व वन्यजीवों की सुरक्षा करना ज़रूरी है।

महत्व

वन्यजीव सप्ताह मनाने की गंभीरता; स्कूली बच्चों, युवा लोगों और आम जनता को वन्य जीवन के बारे में शिक्षित व जागरूक करने के साथ-साथ सरकार के काम करने में, नीतियों को डिज़ाइन करने में तथा आज के बदलते परिवेश में वन्यजीव संरक्षण के मुद्दों का समाधान करने में भी मदद करती है। भारत संस्कृति और सभ्यता का प्रतीक है। यहाँ प्रत्येक दिन को महत्ता दी गई है, जिसे हम किसी न किसी रूप में मनाते हैं। इसी के चलते देश में 2 अक्टूबर से 8 अक्टूबर तक वन्यजीव सप्ताह के रूप में मनाते हैं। वन्यजीव पर्यावरण का एक अभिन्न अंग है। देश के धन का गठन इन्हीं से होता है। इसमें जंगली जानवर, पक्षी, पौधे आदि शामिल हैं।

क्यों मनाते हैं

वन्यजीवों के बिना मनुष्य का कोई अस्तित्व ही न रह जाएगा, उसका जीवन संकट में पड़ जायेगा। इसलिए वन्यजीवों के महत्व को समझने व इनके प्रति जागरूक रहने के लिए सम्पूर्ण विश्व में एक अभियान के रूप में वन्यजीव सप्ताह मनाया जाता है। वन्य जीवों की सुरक्षा के लिये प्रत्येक व्यक्ति को आगे लाने के लिए भारतीय वन्य जीव बोर्ड ने वन्यजीव सप्ताह मनाने का निर्णय लिया और तब से यह 2 से 8 अक्टूबर तक प्रत्येक वर्ष मनाया जाता है। आज प्रकृति से जो भी प्राप्त हो रहा है, सबकी कुछ न कुछ महत्ता है। चाहे वह जीव हो या पेड़-पौधे, सभी एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। आज यदि वृक्ष हैं तो ही मानव और प्राणियों का जीवन सम्भव है। मानव हस्तक्षेप के द्वारा आज लगभग 41 हजार से भी अधिक जीवों की प्रजातियां विलुप्त होने की कगार पर पहुंच गई हैं। उनका जीवन संकट में पड़ने लगा है। ऐसा क्यों क्या हम भूल बैठे हैं कि उनके न रहने से हमारा जीवन भी संकट में पड़ जाएगा, प्रकृति का सारा सन्तुलन बिगड़ जाएगा। विलुप्त हो रही पशु-पक्षी, पेड़-पौधों की प्रजातियों से प्रकृति का सन्तुलन बिगड़ा तो मानव जीवन अस्त-व्यस्त हो जाएगा। तब मानव के पास केवल पछतावा होगा। न पेड़-पौधे होंगे और नहीं जीव-जंतु रह जायेंगे। यदि अब भी हमारी आँखें खुल जायें तो हम जैव विविधता के हो रहे ह्रास को दूर कर सकते हैं। हम जीव-जंतु और वनस्पतियों की रक्षा को अपना परम कर्तव्य मानकर आगे बढ़ें, तभी विकास कर पायेगें।

भारत में स्थिति

वन और वन्यजीवों को भारतीय संविधान की समवर्ती सूची में रखा गया है। भारत सरकार के तहत एक केंद्रीय मंत्रालय वन्य जीव संरक्षण संबंधी नीतियों ओर नियोजन के संबंध में दिशा-निर्देश देने का कार्य करता है तथा राष्ट्रीय नीतियों को कार्यानवित करने की जिम्मेदारी राज्य वन विभागों की होती है।

वन्यजीवों से सम्बंधित वैधानिक पहलू

वन्य जीवों के संरक्षण के लिए भारत के संविधान में 42वें संशोधन (1976) अधिनियम के द्वारा दो नए अनुच्छेद 48-ढ़ व 51 को जोड़कर वन्य जीवों से संबंधित विषय के समवर्ती सूची में शामिल किया गया।

वर्ष 2002 में राष्ट्रीय वन्यजीव कार्य योजना (2002-2016) को अपनाया गया, जिसमें वन्यजीवों के संरक्षण के लिए लोगों की भागीदारी तथा उनकी सहायता पर बल दिया गया है।

वन्य जीवों को विलुप्त होने से रोकने के लिए सर्वप्रथम 1872 में वाइल्ड एलीफेंट प्रिजर्वेशन एक्ट पारित हुआ था।

वर्ष 1927 में भारतीय वन अधिनियम अस्तित्व में आया, जिसके प्रावधानों के अनुसार वन्य जीवों के शिकार एवं वनों की अवैध कटाई को दण्डनीय अपराध घोषित किया गया।

स्वतंत्रता के पश्चात, भारत सरकार द्वारा इंडियन बोर्ड फॉर वाइल्ड लाइफ की स्थापना की गई। 1956 में पुनः भारतीय वन अधिनियम पारित किया गया।

1972 में वन्यजीव संरक्षण अधानियम पारित किया गया। यह एक व्यापक केन्द्रीय कानून है, जिसमें विलुप्त होते वन्य जीवों तथा अन्य लुप्त प्रायः प्राणियों के संरक्षण का प्रावधान है।

वन्यजीवों की चिंतनीय स्थिति में सुधार एवं वन्य जीवों के संरक्षण के लिए राष्ट्रीय वन्यजीव योजना 1983 में प्रारंभ की गई।

भारतीय वन्यजीव संस्थान

भारतीय वन्यजीव संस्थान की स्थापना 1982 में की गई। यह संस्थान केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के अधीन एक स्वशासी संस्थान है, जिसे वन्यजीव संरक्षण क्षेत्र के प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान के रूप में मान्यता दी गई है।

वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो

वन्यजीव संबंधी अपराधों को रोकने के लिए वन्यजीव संरक्षण निदेशक के अंतर्गत वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो का गठन किया गया। वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो देश में संगठित वन्यजीव अपराध से निपटने के लिए केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के अधीन भारत सरकार द्वारा स्थापित एक सांविधिक बहु-अनुशासनिक इकाई है। इसका मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है। इसके पांच क्षेत्रीय कार्यालय नई दिल्ली, कोलकाता, मुंबई, चेन्नई और जबलपुर में स्थित हैं।

ई-कचरा और कबाड़ ने भर दिया सरकार का खजाना, बेचकर कमाए 3296 Cr; 696 लाख वर्ग फुट ऑफिस स्पेस हुआ क्लीन

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि सरकार ने ई-कचरे और कबाड़ की बिक्री से 3,296.71 करोड़ रुपए कमाए हैं, जबकि पिछले चार वर्षों में 696.27 लाख वर्ग फुट से अधिक ऑफिस स्पेस को साफ किया गया है और उपयोग में लाया गया है।

राष्ट्रीय राजधानी के नेहरू पार्क में विशेष स्वच्छता अभियान 5.0 के शुभारंभ के अवसर पर बोलते हुए, डॉ. सिंह ने कहा कि इस अभियान से शासन और सार्वजनिक सेवाओं में स्पष्ट बदलाव आए हैं।

12 लाख से अधिक जगहों की हुई सफाई- डॉ सिंह ने बताया कि अभियान के पिछले चरणों के दौरान 137.86 लाख से ज्यादा पुरानी फाइलों को हटाया गया है और देश भर में 12.04 लाख से अधिक जगहों की सफाई की गई है। केंद्रीय मंत्री ने इन परिणामों को प्राप्त करने में प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग (डीएआरपीजी) और अन्य विभागों की भूमिका की सराहना की।

उन्होंने इस कार्यक्रम में श्रमदान गतिविधियों, एक पेड़ मां के नाम पहल के तहत वृक्षारोपण अभियान और पुरानी फाइलों की सफाई में भी भाग लिया।

स्वतंत्र भारत में शासन की एक अनूठी सफलता- विशेष स्वच्छता अभियान को स्वतंत्र भारत में शासन की एक अनूठी सफलता की कहानी बताते हुए, डॉ. सिंह ने कहा कि 2 अक्टूबर से शुरू होने वाला कार्यान्वयन चरण स्वच्छता अभियानों को संस्थागत बनाने, प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने और सरकारी कार्यालयों में दक्षता में सुधार लाने पर केंद्रित होगा।

सिंगापुर, पाकिस्तान और बांग्लादेश पर भारी ये 100 भारतीय, 161 देशों की GDP से भी ज्यादा संपत्ति; लिस्ट उड़ा देगी होश

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान, बांग्लादेश और ईरान जैसी बड़ी आबादी वाले देशों की अर्थव्यवस्था को पीछे छोड़ रहे हैं भारत के अरबपति। जी हां, भारत के टॉप 100 अमीरों की कुल संपत्ति इतनी है कि 161 देशों की जीडीपी से भी ज्यादा बैठती है।

दरअसल, एक अक्टूबर, बुधवार को हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2025 जारी हुई। जिसमें भारत के 100 अमीरों की कुल नेटवर्थ 86,84,950 करोड़ रुपए यानी 1,040 बिलियन डॉलर से भी ज्यादा है। जबकि दुनिया के 161 देश ऐसे हैं, जिनकी जीडीपी 1.040 ट्रिलियन डॉलर से भी कम है।

उनमें सिंगापुर, संयुक्त अरब अमीरात, स्विट्जरलैंड और थाईलैंड जैसे विकसित देश शामिल हैं। जबकि बांग्लादेश, पाकिस्तान, ईरान और नेपाल जैसे देशों की तो गिनती ही नहीं है। अब सवाल यह है कि आखिर कौन हैं वो 100 भारतीय परिवार, कितनी है संपत्ति और वो क्या-क्या काम करते हैं?

दुनिया भर की जीडीपी पर नजर रखने वाले प्लेटफॉर्म वर्ल्डोमीटर के मुताबिक, बांग्लादेश की जीडीपी 437 बिलियन डॉलर है। जबकि उसके नीचे फिलीपींस है और उसकी जीडीपी भी 437 बिलियन डॉलर है।

इसके अलावा ईरान की जीडीपी 404 बिलियन डॉलर, पाकिस्तान की 337 बिलियन डॉलर, फिनलैंड की 295 बिलियन डॉलर, न्यूजीलैंड की जीडीपी 252 बिलियन डॉलर और कतर की जीडीपी 213 बिलियन डॉलर है। आंकड़ों के मुताबिक, भारत के टॉप-100 रईस परिवारों की संपत्ति 149 देशों की जीडीपी से भी ज्यादा है।

टाटा कैपिटल आईपीओ में निवेश बनाएगा मालामाल या साबित होगा घाटे का सौदा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्राइमरी मार्केट में जल्द एक बड़े आईपीओ की एंट्री होने जा रही है। टाटा कैपिटल आईपीओ का सभी निवेशक बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। 6 अक्टूबर को उनका ये इंतजार अब खत्म होने जा रहा है। अगर आप भी इस आईपीओ को लेकर उलझन में है, तो चलिए हमारे एक्सपर्ट अरुण केजरीवाल से समझते हैं कि इसमें पैसा लगाना चाहिए या नहीं। लेकिन इससे पहले आईपीओ के बारे में बेसिक डिटेल्स देख लेते हैं।

अरुण केजरीवाल ने क्या कहा

अनलिस्टेड मार्केट में चल रही कीमत से कम क्यों रखा गया प्राइस बैंड- सबसे पहले उन्होंने बताया कि इस साल की शुरुआत में अनलिस्टेड मार्केट टाटा कैपिटल के आईपीओ का भाव 1100 रुपये प्रति शेयर के बीच में चल रहा था। इसके साथ ही इसने करीब 700 रुपये प्रति शेयर के आसपास का लो रिकॉर्ड बनाया था। अगर आप उस प्राइस को देखकर मौजूदा प्राइस बैंड को देखें तो आपको निराशा होगी। उस समय जो अनलिस्टेड मार्केट में टाटा कैपिटल के आईपीओ का प्राइस चल रहा था, वे सही नहीं था। लेकिन अब जो प्राइस बैंड दिया गया है वे काफी प्राइस डिस्कवरी और साइंटिफिक तरीके से डिमांड को देखकर रखा गया है। हालांकि लोगों के मन में ये सवाल जरूर रहेगा कि अनलिस्टेड मार्केट में 700 से 800 रुपये में चल रहा भाव या 310 रुपए और 326 रुपये वाला प्राइस बैंड आईपीओ के लिए कौन-सी कीमत सही है?

टाटा पावर के लिए अच्छी खबर, मिला 1200 करोड़ रुपये का रिन्यूएबल एनर्जी प्रोजेक्ट! शुक्रवार को शेयर पर दिखेगा असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। टाटा पावर को एक नया ऑर्डर मिला है। इस ऑर्डर की वैल्यू करीब 1200 करोड़ रुपये है। टाटा पावर की सब्सिडियरी कंपनी टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी (टीपीआरईएल) ने गुरुवार को कहा कि इसने 80 मेगावाट के एक फर्म और डिस्पैचेबल रिन्यूएबल एनर्जी (एफडीआरई) प्रोजेक्ट के लिए टाटा पावर मुंबई डिस्ट्रीब्यूशन के साथ एक बिजली खरीद समझौता (पीपीए) किया है।

इस खबर का असर टाटा पावर के शेयर पर शुक्रवार को दिख सकता है, जो कि बुधवार को क्स्श्व पर 2.25 रुपये या 0.58 फीसदी की मजबूती के साथ 391 रुपये पर बंद हुआ था।

आठ लाख को मिलेगी सर्विस- इस प्रोजेक्ट की एक प्रमुख विशेषता चार घंटे की अधिकतम बिजली सप्लाई है, जिसमें अधिकतम मांग के समय 90 प्रतिशत उपलब्धता होगी। क्लीन एनर्जी को टाटा पावर के मुंबई डिस्ट्रिब्यूशन नेटवर्क में इंटीग्रेट किया जाएगा, जो लगभग आठ लाख हाउसिंग, कमर्शियल और इंडस्ट्रियल कस्टमर्स को सर्विस प्रोवाइड करेगा।

कार्बन उत्सर्जन कम होने की उम्मीद- एक बार चालू होने पर, इससे सालाना लगभग 315 मिलियन यूनिट (एमयू) बिजली उत्पादन और प्रति वर्ष 0.25 मिलियन टन से अधिक कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन कम होने की उम्मीद है।

बेटी के पैदा होने से शादी तक का खर्चा उठाएगी सरकार, मिलेंगे 50,000 रुपये, कैसे करें अप्लाई?

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार बेटियों की पढ़ाई के लिए कई तरह की स्कीम शुरू करती रहती है। आज हम जो स्कीम लेकर आए हैं, वे बेटियों की पढ़ाई से लेकर शादी तक का खर्चा उठाती है। इस स्कीम के तहत अलग-अलग समय सीमा पर आपको सरकार की ओर से आर्थिक मदद मिलती है। सबसे पहले जानते हैं कि इस स्कीम में कौन अप्लाई कर सकता है।

कौन कर सकता है अप्लाई- ये स्कीम राजस्थान सरकार द्वारा चलाई जा रही है, इसलिए बेटी का जन्म राजस्थान में होना जरूरी है।

इस स्कीम का फायदा उन बेटियों को मिलेगा, जिनका जन्म साल 2016 के बाद हुआ हो।

बेटी का जन्म सरकारी अस्पताल या ऐसे प्राइवेट अस्पताल में होना चाहिए, जो जननी सुरक्षा योजना के तहत रजिस्टर्ड हो।

इसके स्कीम के तहत दो बेटियों तक को लाभ मिल सकता है।

माता-पिता के पास आधार कार्ड और भामाशाह कार्ड होना जरूरी है।

कैसे कर सकते हैं अप्लाई?

इस स्कीम में ऑफलाइन अप्लाई किया जा सकता है।

सबसे पहले आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और आशा वर्कर्स नजदीकी मौजूद सभी गर्भवती महिलाओं की जानकारी लेती है। इस जानकारी को नजदीक अस्पताल में भेजा जाता है।

अब सभी जानकारी को RCH के तहत रजिस्टर कर, PCTS पोर्टल पर ऑनलाइन एंट्री की जाती है।

अगर किसी के पास भामाशाह कार्ड नहीं है, तो वे ई मित्र केंद्र से भी बना सकता है।

सभी दस्तावेजों की जांच के बाद किस्त मिलना शुरू हो जाती है।

दुनिया के सबसे बड़े अमीर एलन मस्क को लगा बड़ा झटका, 23 साल पुरानी स्पेसएक्स को 3 साल पुरानी इस कंपनी ने पछाड़ा

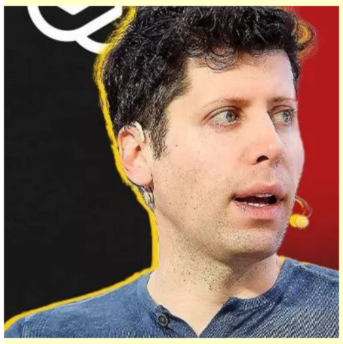

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के सबसे बड़े अरबपति एलन मस्क को बड़ा झटका लगा है। एक दिन पहले ही वह दुनिया के इकलौते ऐसे इंसान बने, जिनकी नेटवर्थ 500 अरब डॉलर को पार कर गई। लेकिन एक दिन बाद ही 3 साल पुरानी कंपनी ने उन्हें जोर का झटका दिया है। ये कंपनी कोई और नहीं बल्कि ChatGPT को बनाने वाली OpenAI है। ओपनएआई की वैल्यूएशन 500 अरब डॉलर तक पहुंच गई है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के अनुसार यह वैल्यूएशन इस लिए बढ़ी है क्योंकि वर्तमान और पूर्व कर्मचारियों ने निवेशकों को लगभग 6.6 अरब डॉलर मूल्य के शेयर बेचे। इस समय स्पेसएक्स की वैल्यूएशन सिर्फ 400 अरब डॉलर ही है।

ब्लूमबर्ग के अनुसार, इस बिक्री में थ्राइव कैपिटल, सॉफ्टबैंक ग्रुप कॉर्प, ड्रैगनियर इन्वेस्टमेंट ग्रुप, अबू धाबी के एमजीएक्स और टी रो प्राइस जैसे प्रमुख निवेशक शामिल थे।

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in
24x7 News portal

सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित

jagrayam.com
online news magazine

ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए

हिन्दकुश मीडिया

hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

प्रदेश के 170 कॉलेजों में वॉट्सएप का उपयोग होगा बंद, इसकी जगह लेगा स्वदेशी एप अरत्तई

ग्वालियर। वॉट्सएप की जगह स्वदेशी अरत्तई एप लेने जा रहा है। मध्य प्रदेश में संगीत एवं कला के एक मात्र शैक्षणिक संस्थान ग्वालियर स्थित राजा मानसिंह संगीत एवं कला विश्वविद्यालय और उससे संबद्ध लगभग 170 कॉलेजों में यह बदलाव किया जा रहा है। इसके मूल में केंद्र सरकार का स्वदेशी अपनाने का आह्वान है। अब कॉलेज स्तर पर की जाने वाली सूचना के आदान प्रदान के लिए सिर्फ अरत्तई एप का उपयोग किया जाएगा।

यह निर्णय संस्थान के कुलसचिव अरुण चौहान ने वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा के बाद लिया है। अब संस्थान में होने वाले आधिकारिक सूचना व दस्तावेजों का आदान प्रदान, छात्रों के मार्गदर्शन के लिए ग्रुप बनाना यह सभी काम पूरी तरह से इसी एप पर होंगे। छात्रों से जुड़ी हर अपडेट को अरत्तई पर बने ग्रुप में ही साझा किया जाएगा इस लिहाज से भी छात्र इसका उपयोग शुरू करेंगे। प्रबंधन का कहना है कि किसी अन्य एप से दस्तावेजों का आदान प्रदान स्वीकार नहीं किया जाएगा। क्या है अरत्तई अरत्तई भारतीय मैसेजिंग एप है, जिसे जोहो कॉर्पोरेशन ने 2021 में लान्च किया था। अरत्तई एक तमिल शब्द है, जिसका अर्थ है बातचीत या गपशप। यह वाट्सएप के भारतीय विकल्प के रूप में विकसित किया गया है। इसमें टेक्स्ट मैसेज, फोटो, वीडियो, दस्तावेज शेयरिंग, साथ ही वाइस और वीडियो कालिंग की सुविधा मिलती है। ग्रुप चैट, स्टिकर्स और एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन जैसी विशेषताएं इसे सुरक्षित और उपयोगी बनाती हैं। सबसे खास बात, इसका डेटा भारत में ही स्टोर होता है, जिससे यूजर्स को अधिक प्राइवेसी और भरोसा मिलता है।

अगले सप्ताह से यह चलन में आ जाएगा स्वदेशी अपनने के क्रम में विश्वविद्यालय यह बदलाव पूरे प्रदेश के स्तर पर करने जा रहा है। वॉट्सएप के उपयोग को पूरी तरह से बंद किया जा रहा है। अगले सप्ताह से यह चलन में आ जाएगा।

- अरुण चौहान, कुलसचिव, राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय।

असली वर्दी में नकली पुलिस... नौकरी लगवाने के नाम पर ठगी भी करता था, तीन साथी भी पकड़े

ग्वालियर। हाईवे पर पुलिस बनकर ट्रक और डंपर चालकों से वसूली करने के साथ ही पुलिस में नौकरी लगवाने के नाम पर ठगी करने वाला शातिर बदमाश पकड़ा गया है। उसके साथ तीन साथी भी पकड़े गए हैं। यह चारों वर्दी पहनकर पुलिस बन जाते थे। हाईवे पर चेकिंग प्वाइंट लगाते और वाहन चालकों से वसूली करते थे। ग्वालियर के एक दुकानदार की शिकायत पर पुलिस ने जब पड़ताल की, तब फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ। चारों सागर के रहने वाले हैं। क्राइम ब्रांच की टीम पूछताछ कर रही है।

रजिस्ट्रार कार्यालय के पास लीगल हाउस के नाम से दुकान चलाने वाला वैभव पाल टाइपिस्ट है। उसकी दुकान पर टाइपिंग और फोटोकापी होती है। कुछ दिन पहले स्कार्पियो गाड़ी से दुकान पर एक युवक पहुंचा। वह खुद को मप्र पुलिस में दारोगा बताता था।

दशहरे पर चौंकाने वाली घटना, युवक युवतियां कार से आए, रावण पुतला दहन करके फरार

भोपाल। भोपाल के बाग मुगालिया इलाके में दशहरे से पहले एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। सुबह करीब 6 बजे कुछ अज्ञात युवक-युवती कार से मैदान में पहुंचे और नशे की हालत में रावण के पुतले को आग के हवाले कर फरार हो गए। इस घटना से स्थानीय लोगों और आयोजनकर्ताओं में हड़कंप मच गया, क्योंकि रावण दहन का कार्यक्रम शाम को भारी भीड़ के बीच होना था।

घटना की जानकारी मिलते ही समिति सदस्यों ने डायल-112 पर पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक रावण का पुतला पूरी तरह जल चुका था। चश्मदीदों के अनुसार, युवकों की हरकतें संदिग्ध थीं और वे तुरंत मौके से भाग निकले। मिसरोद थाना प्रभारी संदीप पवार ने बताया कि आरोपित बिना नंबर की कार से आए थे, उनकी तलाश की जा रही है!

पेट्रोल पंप पर महिला कर्मचारी की हत्या

अंबिकापुर। अंबिकापुर के रिंग रोड चोपड़ापारा स्थित श्री कृपा फ्यूल्स पेट्रोल पंप में गुरुवार की सुबह महिला कर्मचारी की चाकू से गोद-गोद कर हत्या कर दी गई। दिनदहाड़े हुई वारदात से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। वारदात को अंजाम देकर भाग रहे आरोपित को लोगों ने पकड़ पुलिस को सौंप दिया है। बीच-बचाव कर रहे पेट्रोल पंप का एक कर्मचारी भी घायल हुआ है। प्रारंभिक जांच में मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा हुआ पाया गया है।

बलरामपुर जिले के कुसमी थाना क्षेत्र के ग्राम मगाजी शाहपुर निवासी भारती टोप्पो, अंबिकापुर के रिंग रोड चोपड़ापारा स्थित कृपा फ्यूल्स में सेल्स गर्ल का काम करती थी। गुरुवार सुबह वह अन्य कर्मचारियों के साथ काम पर लगी थी। सुबह लगभग पौने बारह बजे मोटरसाइकिल से एक युवक पेट्रोल पंप में पहुंचा। महिला कर्मचारी के नजदीक ही उसने अपनी मोटरसाइकिल खड़ी की। महिला कर्मचारी कुछ समझ पाती इसके पहले ही युवक ने अपने पास रखे चाकू से उस पर वार करने का प्रयास किया। जान बचाने के लिए भागती रही

युवती वहां से भागी तो आरोपित ने चाकू लेकर उसे पेट्रोल पंप परिसर में ही दौड़ाना शुरू कर दिया। युवती भागने का प्रयास करती रही लेकिन आरोपित ने चाकू से उस पर ताबड़तोड़ वार कर दिया। एक के बाद एक चाकू के वार को सहते हुए युवती भागती रही। समूचे परिसर में खून के छींटे गिरते रहे। बीच-बचाव कर रहे संतोष नामक कर्मचारी पर भी युवक ने चाकू से हमला किया।

इसी बीच एक चाकू युवती के सीने से पीठ की ओर घुस गया। युवती वहीं औंधे मुंह गिर पड़ी। इसके बाद भी आरोपित ने उस पर चाकू से कई प्रहार किए। चाकू के करीब 40 वार के कारण युवती बेहोश हो गई। तब तक हो हल्ला मच गया। नजदीक में ही दुकान संचालित करने वाले गुरुदेव सिंह ने आरोपित को पकड़ने का प्रयास किया। आरोपित ने उसका भी गला दबाने की कोशिश की।

एयरगन से उसने फायर भी किया। आरोपित ने अपने पास एक लोहे का रॉड भी रखी थी। घटना के बाद आरोपित वहां से तेजी से गली के रास्ते भागने लगा। लोगों ने उसे पकड़ने की कोशिश की तो वो उन्हें भी डराने लगा। चोपडापारा में रहने वाले ठेकेदार अरुण सिंह किरना ने हिम्मत दिखाते हुए आरोपित को धर दबोचा।

उसी रास्ते से एक कार में पुलिस अधिकारी गुजर रहे थे। ठेकेदार ने उसी कार में आरोपित को बैठाकर गांधीनगर थाने पहुंचा दिया। इसके बाद पुलिस घटनास्थल पहुंची। घटनास्थल पर आरोपित की मोटरसाइकिल, बैग, चश्मा, चप्पल बरामद किया गया है। युवती को नजदीक के मिशन अस्पताल ले जाया गया था,जहां उसकी मौत हो गई।

प्रारंभिक जांच में पता चला है कि आरोपित योगेंद्र पैकरा, मूलतः मगाजी कुसमी का रहने वाला है। वह पिछले तीन-चार दिनों से पेट्रोल पंप में आ रहा था। युवती से उसका प्रेम संबंध था। संबंधों में दरार आ जाने के कारण उसने घटना का अंजाम दिया। पकड़ में आने के बाद वह बोल रहा था कि युवती को उसने काफी समझाया था, लेकिन वह समझने को तैयार नहीं थी।

दो दिन पहले उसका मोबाइल भी तोड़ दिया था, इसके बाद भी उसने किसी दूसरे युवक से बातचीत जारी रखा थी। उसने यह भी बोला कि युवती तो अब नहीं रही और उसका जीवन भी बर्बाद हो गया। घटनास्थल की परिस्थितियों को देखते हुए स्पष्ट है कि आरोपित पूरी तैयारी के साथ हत्या की नीयत से ही पेट्रोल पंप पहुंचा था।

कटनी जिले के भरतपुर में बच्चों के साथ नहाने गए दो सगे भाई की तालाब में डूबने से मौत

कटनी। रीठी थाना अंतर्गत भरतपुर गांव में बच्चों के साथ नहाने गए दो सगे भाइयों का तालाब में डूबने से मौत हो गई। घटना से दशहरा पर्व के दिन गांव में मातम छा गया है। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे हैं। जानकारी के अनुसार छोटा बरहटा रीठी निवासी सुशील पटेल के बेटे शिवांश लोधी 8 साल और देवांश लोधी 10 साल दशहरा पर अपने मामा के गांव भरतपुर गए हुए थे।

लगभग 11 बजे दोनों बच्चे गांव के अन्य बच्चों के साथ गांव के बाराती तालाब में नहाने गए थे और गहरे पानी में जाने से दोनों डूब गए। आसपास के लोगों को बच्चों ने घटना की जानकारी दी।

इसके बाद ग्रामीण एकत्र हुए और दोनों बच्चों की तालाब में खोजबीन की गई और पुलिस को भी सूचना दी गई। ग्रामीणों की मदद से तालाब में एक घंटे की मशक्कत के बाद दोनों बच्चों को खोज लिया गया और स्वजनों उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रीठी लेकर पहुंचे। यहां दोनों को चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी लगते ही बरेहटा गांव में मातम छा गया तो वहीं हृदय विदारक घटना से भरतपुर में भी मातम छाया रहा। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेजे हैं और मामले की जांच कर रही है।

विश्वास और श्रृद्धा रखोगे, तो भक्ति का अलग ही आनंद मिलेगा

भगवान और गुरुदेव की कृपा से मिली ऊर्जा - दलेर मेहंदी

इंदौर। भक्ति करते समय मन में ये रखो कि फायदा होने वाला है। ये विश्वास और श्रृद्धा रखोगे, तो भक्ति अपने-आप अच्छी हो जाएगी और इसका आनंद ही अलग आएगा। जीवन में आशीर्वाद बगैर कुछ नहीं होगा और भक्ति को पहले से ही जंचा कर रखो कि भक्ति ही काम आने वाली है।

कृष्णगिरी पीठाधीश्वर, पूज्यपाद जगतगुरु श्री श्री 1008 आचार्य वसंत विजयानंद गिरिजी महाराज ने मंगलवार की रात देवी भागवत कथा के दौरान अपने प्रवचन में ये बातें भक्तों से कही। उन्होंने सभी का जीवन के सफल, मंगलमय, सुख-समृद्धि और प्रगति की प्रार्थना की और कहा कि मां सभी की रक्षा करती है, इसलिए मां की भक्ति के लिए किसी को भी किसी के कहने की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए। आप सभी जाग जाएं और ऐसे जागे कि आपके जीवन में कल्याण ही कल्याण हो। इसपर भक्तों ने देवी और जगतगुरू के जयकारे लगाए।

ये 'नवरात्रि महामहोत्सव' वीआईपी परस्पर नगर, इंदौर में 22 सितंबर से कृष्णगिरी पीठाधीश्वर, पूज्यपाद जगतगुरु श्री श्री 1008 आचार्य वसंत विजयानंद गिरिजी महाराज के सानिध्य में चल रहा है। यहां हर दिन विशेष साधना, महायज्ञ, देवी भागवत कथा, प्रवचन और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां हो रही है। ये अद्वितीय धार्मिक आयोजन 2 अक्टूबर तक चलेगा। मंगलवार को भी सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक विशेष साधना के बाद कुमकुम अर्चन, महायज्ञ में जाप के साथ 1 लाख विशेष आहुतियां दी गई।

दलेर मेहंदी ने सुनाए मां के भजन - दलेर मेहंदी ने मंगलवार की रात स्टेज पर आकर जगतगुरु को प्रणाम कर कहा कि यह भगवान, मां पद्मावती और जगतगुरू की ही कृपा है कि डॉक्टर ने उन्हें नवंबर में गाने के लिए कहा है, लेकिन आज वह स्टेज से मां के भजनों को सुनने वाले हैं। वह पूरी श्रद्धा और दिल से हाजिरी लगाने के लिए आए हैं। दलेर मेहंदी ने भजन महकती दिशाएं... यह सांसों की हलचल... रहती है पल-पल... नमो नमो..., से शुरुआत की। उसके बाद दे दो जो कुछ देना है... मैया जी तेरा क्या कहना..., सोना सोना रूप माई दा..., मेरा सहारा तू है मां... सबका सहारा तू है मां..., नवरात्रि की ये रात है... वसंत गुरुजी का भी साथ है..., झोलियाँ भी भरती... सारे दुख हरती..., अम्बा अम्बा जगदम्बा... भजन सुनाए, जिसपर भक्त भी भक्ति भाव में जमकर झूमे।

गुरू भक्त मंडल ने की आरती - देवी भागवत कथा से पहले मंगलवार की रात वसंत गुरु भक्त मंडल ने आरती लाभ लिया। कथा से पहले भक्त मंडल के तरूण सेठिया, जितेंद्र बाफना, राकेश जैन और अरविंद जैन ने आरती की। आरती के बाद शशांक तिवारी ने अपनी मधुर आवाज में श्री राम और श्री कृष्ण के भजन सुनाए।

3 किलोमीटर के दायरे में फुल हुए होटल - आयोजन के लिए देश के 20 राज्यों सहित 20 देशों से भक्त और अनुयायी पहले दिन से इंदौर में हैं, जो सुबह से देर रात तक भक्तिभाव के साथ आयोजन का लाभ ले रहे हैं और सेवाकार्य भी कर रहे हैं। आए कई भक्तों के लिए तो यहीं व्यवस्था की गई है, लेकिन कई आसपास अपने खर्च पर रुके हुए हैं। आयोजन स्थल के तीन किलोमीटर के दायरे में स्थित होटल भी इस कारण फुल है। भक्तों की भीड़ भी अब यहां बेतहाशा रूप से बढ़ती जा रही है।

इंदौर जिले में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस

इंदौर। इंदौर जिले में आज अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस मनाया गया। जिले में आज बुजुर्गों के सम्मान में समर्पित अनेक कार्यक्रम आयोजित किये गये। जिले का मुख्य कार्यक्रम कल्याण मित्र समिति आस्था वृद्धाश्रम में सांसद श्री शंकर लालवानी के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देश पर जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में 100 वर्ष या उससे अधिक आयु के 134 वरिष्ठजनों का सम्मान उनके घर जाकर जिला प्रशासन एवं नगर निगम टीम द्वारा किया गया।

जिला स्तरीय सम्मान में सांसद श्री शंकर लालवानी द्वारा हार-फूल, शाल-श्रीफल देकर वरिष्ठजनों का सम्मान किया गया। वरिष्ठजनों के लिए खेलकूद प्रतियोगिता एवं मनोरंजन के कार्यक्रम आयोजित किये गये। चयनित वरिष्ठजनों को प्रशंसा पत्र दिये गये तथा जिले मे वरिष्ठजनों के लिए कार्य वाले वरिष्ठ नागरिक परामर्श केन्द्र के सामाजिक कार्यकर्ताओं का भी सम्मान किया गया।

इंदौर में दिवाली पर जगमगाएंगे गोबर के स्वदेशी दीये

इंदौर। स्वदेशी अभियान को नई दिशा देते हुए कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने विशेष नवाचार की पहल की है। अब दीपावली पर इंदौर के घर-घर में पवित्र गाय के गोबर से बने दीये जल सकेंगे। इसके लिए नगर निगम की हातोद क्षेत्र स्थित गौशाला में दो मशीनें स्थापित की गई हैं, वहीं अगले कुछ दिनों में और मशीनें लगाई जाएंगी ताकि लाखों की संख्या में दीये समय पर तैयार हो सकें। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की मंशा के अनुसार स्वदेशी अभियान को इस पहल से नई गति मिलेगी।

इन दीयों की पैकिंग कर बाजार में भी उपलब्ध कराया जाएगा। कलेक्टर श्री वर्मा स्वयं इस अभियान की मॉनीटरिंग कर रहे हैं।

उन्होंने जिला स्तरीय अधिकारियों को इस कार्य से जोड़ा है तथा पशुपालन विभाग, नगर निगम और जिला पूर्ति नियंत्रक को प्रतिदिन रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। गौशाला के स्वामी श्री अच्युतानंद जी महाराज ने भी इस कार्य में विशेष रुचि लेते हुए स्वयं की उपस्थिति में दीये बनाने की प्रक्रिया प्रारम्भ कराई है। विशेष साँचों से विविध आकार-प्रकार के गोबर के दीये तैयार किए जा रहे हैं। स्वामी जी ने इस नवाचार की सराहना की और कहा कि इससे स्वदेशी उत्पादों को नई दिशा मिलेगी। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने नागरिकों से अपील की है कि धनतेरस से लेकर दीपावली तक तथा इसके पश्चात भी आने वाले अन्य त्योहारों के दौरान भी पवित्र गोबर के दीये घर-घर में जलाएं। इससे न केवल स्वदेशी अभियान को बल मिलेगा बल्कि गायों के संरक्षण, गौशालाओं की आत्मनिर्भरता और सनातन परंपराओं के संरक्षण में भी आमजन की भागीदारी सुनिश्चित होगी।

संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े की अध्यक्षता में कलेक्टर-कमिश्नर कांफ्रेंस की तैयारियों को लेकर वीडियों कांफ्रेसिंग बैठक आयोजित

इंदौर। संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े की अध्यक्षता में भोपाल में आयोजित कलेक्टर-कमिश्नर कांफ्रेंस की तैयारियों को लेकर आज वीडियो कांफ्रेसिंग बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्मार्ट सिटी के सीईओ श्री अर्थ जैन, इंदौर विकास प्राधिकरण के सीईओ डॉ. परीक्षित झाड़े, मेट्रो परियोजना के जीएम श्री रणवीर सिंह राजपूत, मेट्रो परियोजना के डीजीएम श्री कपिल रघवुंशी, संयुक्त आयुक्त विकास श्री डी.एस. रणदा, जनजातीय कार्य विभाग के संयुक्त संचालक श्री ब्रजेश कुमार पाण्डेय, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी डॉ. सोजी जोसफ, उद्योग विभाग के संयुक्त संचालक एस.एस. मण्डलोई, नगरीय प्रशासन विभाग के संयुक्त संचालक श्री एस.के सिन्हा सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर्स एवं जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शामिल हुए।

इंदौर जिले की सभी पंचायतों में दो अक्टूबर को होंगी विशेष ग्राम सभाएं

इंदौर। इंदौर जिले में आज दो अक्टूबर को सभी ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया जायेगा। इन ग्राम सभाओं में किसानों के लिये मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर प्रारंभ की गई भावांतर योजना के प्रावधानों और लाभ के बारे में बताया जायेगा। साथ ही दशहरा मिलन समारोह भी इन ग्राम सभाओं में होंगे। वन अधिकार अधिनियम की जानकारी दी जायेगी। आदि कर्मयोगी अभियान के बारे में बताया जायेगा।

ग्राम सभा में निम्न बिन्दुओं पर चर्चा होगी।

भावांतर भुगतान योजना- किसानों को उनकी मेहनत का उचित मूल्य एवं सम्मान देना मध्यप्रदेश सरकार की प्राथमिकता है। इस उद्देश्य से भावांतर भुगतान योजना वर्ष 2025 लागू की गई है, जिसमें भारत सरकार द्वारा सोयाबीन का घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) तथा राज्य के मंडी के मॉडल भाव/विक्रय मूल्य के अंतर की राशि कृषकों को दिलवाने का प्रावधान किया गया है।

भावांतर योजना ऐसे करेगी काम- किसान द्वारा ई-उपार्जन पोर्टल पर पंजीयन अनिवार्य होगा।

किसान पूर्व की तरह अपनी उपज मंडियों में बेचेंगे।

एमएसपी और मंडी का मॉडल भाव/विक्रय मूल्य के बीच के अंतर की राशि का किसान को डीबीटी से भुगतान किया जाएगा।

उचित औसत गुणवत्ता (एफएक्यू) की उपज हेतु न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी रहेगी।

पंजीयन- पंजीयन 3 अक्टूबर 2025 से प्रारंभ होगा। पंजीयन 17 अक्टूबर 2025 तक कराया जा सकेगा

किसानों को यहाँ कराना होंगे अपने पंजीयन- सोसाइटी स्तर पर स्थापित पंजीयन केंद्र।

ग्राहक सेवा केंद्र / एमपी ऑनलाइन कियोस्क/ एमपी किसान एप पर

योजना कब से होगी प्रभावशील- किसान इस योजना का लाभ लेने के लिए 24 अक्टूबर 2025 से 15 जनवरी 2026 तक मंडी में अपनी फसल विक्रय कर सकेंगे।

लाभ- विक्रय मूल्य, एमएसपी से कम लेकिन मंडी के मॉडल भाव से अधिक होने पर विक्रय मूल्य एवं एमएसपी के अंतर की राशि किसान को प्रदान की जाएगी। उदाहरण के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य 5328 रुपये और सोयाबीन का मॉडल भाव 4600 रुपये हुआ तथा किसान का विक्रय मूल्य 4800 रुपये रहा तो विक्रय मूल्य एवं एमएसपी के अंतर की राशि 428 रुपये भावांतर की राशि राज्य सरकार द्वारा प्रदान की जाएगी।

परिचय सम्मेलन कैलेंडर का विमोचन

इंदौर। भक्ति और मां दुर्गा की शक्ति के साथ दशहरे का शौर्य का विशेष रंग राजपूत युवा चेतना मंडल की बैठक में देखा जाता है, पदाधिकारी ने आगामी परिचय सम्मेलन कैलेंडर का विमोचन करते हुए समाज के युवाओं को संस्कार संस्कृति और शक्ति आराधना से रूबरू करने का संकल्प लिया है। इस अवसर पर सामाजिक कुरीतियों और बुराइयों को दूर करने के साथ दशहरा मनाने का संकल्प लिया। राजपूत समाज युवा चेतना मंडल परंपरागत युवक युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन करता आया है। पूर्वी क्षेत्र के साई पैलेस गार्डन में पदाधिकारी की बैठक रखी गई थी

जिसमें 28 दिसंबर को होने वाले अखिल भारतीय युवक की युवती परिचय सम्मेलन की रूपरेखा तैयार की गई। इस अवसर पर पदाधिकारी ने बहुरंगीय फोल्डर का विमोचन भी किया। महिला विंग की अध्यक्ष श्रीमती रेणु परिहार एवं कमलेश्वर सिंह सिसोदिया ने बताया कि आगामी परिचय सम्मेलन के लिए देशभर के 12 प्रमुख राज्यों के प्रतिभागियों की सहभागिता रहेगी विदेशों से शुरूआती ही 25 से ज्यादा प्रविष्टियां मिल चुकी है। इस बार ऐतिहासिक परिचय सम्मेलन बनाने का निर्णय लिया गया है। नवरात्रि के दौरान हुई बैठक में मां शक्ति आराधना के साथ दशहरे के उत्सव का जोश भी दिखा ओर समाज जनों ने नशा मुक्ति, दहेज जैसी कुरीतियों को दूर करने का संकल्प दोहराया इस अवसर पर प्रमुख रूप सेअध्यक्ष ठाकुर सुनीलसिंह, उमठ, अंतर सिंह, राजू सिंह चौहान, सुनील सिंह राठौर,दीपू सेंगर, नारायण सिंह देवड़ा, मनोहर सिंह चौहान, सुनील सिंह सिकरवार, सरदार सिंह पवार, तरुणठाकुर, सुरेंद्र सिंह पंवार आदी।

जय श्री महाकाल ...

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृगधरम वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम, वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकर !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

बच्चे की नादानी में स्टार्ट हुआ ट्रैक्टर चंबल नदी में गिरा, दो बच्चों की मौत

ट्रैक्टर में 12 लोग सवार थे, जोकि सीधे नदी में जा गिरे

उज्जैन। चंबल नदी नरसिंगा में आज एक बड़ा हादसा हुआ। 12 साल के बच्चे ने ट्रैक्टर में लगी चाबी घुमा दी। जिससे ट्रैक्टर स्टार्ट होकर आगे बढ़ गया और नदी में जा गिरा। इस घटना के दौरान ट्रैक्टर में 12 लोग सवार थे, जोकि सीधे नदी में जा गिरे। घटना की जानकारी लगते ही ग्रामीणों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए नदी में गिरे लोगों को बचाने का प्रयास किया। हालांकि दो लोगों की मौत हो गई।

बच्चे की नादान में हुए इस हादसे में ट्रैक्टर श्रद्धालुओं सहित नदी में जा गिरा। हादसे में 12 से आधिक लोग सवार थे। बताया जाता है कि इस घटना के दौरान सभी माता जी की मूर्ति विसर्जन के लिए आए थे। तभी यह घटना हो गई।

प्राथमिक जानकारी के मुताबिक पुलिस और एसडीईआरएफ की टीमें स्थानीय लोगों के साथ रेस्क्यू अभियान मे जुटी रही।

उज्जैन के एएसपी अभिषेक रंजन ने बताया कि कुछ युवा और बच्चे माता जी का विसर्जन करने आए थे, तभी अचानक ट्रॉली और ट्रैक्टर दोनों नदी में गिर गए, जिससे ट्रॉली में सवार 12 लोगों में से 8 लोग बाहर आ गए और 4 को अस्पताल ले जाया गया। दो की मौत हो गई है।

मैं प्रार्थना करता हूं कि घायल जल्द स्वस्थ हों, सभी लोग तुरंत यहां पहुंच गए। हादसा इंगोरिया के पास देवी प्रतिमा विसर्जन के दौरान हुआ। मृतकों में पृथ्वी राज (16) और वंश (8) शामिल हैं। वहीं अमीश (10) और अंश (6) को इंदौर रेफर किया गया।

गांधी जंयती पर निकली प्रभात फेरी

उज्जैन। 2 अक्टूबर गांधी जयंती के अवसर पर शहर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश भाटी के नेतृत्व में शहीद पार्क से प्रातः 6 बजे सेवादल और शहर कांग्रेस के पधाशिकारियो द्वारा शहर के विभिन्न मार्गो प्रभात फेरी निकाली गई।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेश परमार और शहर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश भाटी ने सर्व प्रथम पूर्व प्रधानमंत्री स्व लाल बहादुर शास्त्री की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

उपस्थित कांग्रेस जन गांधी भजन गाते हुए चल रहे थे

प्रभात फेरी का विभिन्न स्थानों पर पुष्प वर्षा से स्वागत किया गया। क्षीर सागर स्थित गांधी प्रतिमा पर माल्यार्पण के पश्चात बापू के भजनों को गा कर पुण्य स्मरण किया गया। अपने संबोधन में महेश परमार ने कहा कि, सत्य, अहिंसा के पुजारी के रूप में बापू पूरे विश्व में याद किए जाते हैं। मुकेश भाटी ने कहा कि देश को आज़ादी मे बापू का योगदान अविस्मणीय है।

इस अवसर पर पूर्व सांसद सत्यनारायण पंवार, मनोहर बैरागी ओर सेवादल के देवीलाल, अनिता राजपूत का सम्मान किया गया। जानकारी देते हुए संगठन मंत्री अजय राठौर ने बताया कि इस अवसर पर जिला ग्रामीण अध्यक्ष महेश परमार, शहर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश भाटी, वरिष्ठ कांग्रेस नेता, मनोहर बैरागी, नेता प्रति पक्ष रवि राय, अजीत सिंह, सुरेश चौधरी, अनन्तनारायण मीणा, अरुण रोचबानी, कमल पटेल,चैन सिंह चौधरी, कुलदीप जाट, देवव्रत यादव, सुनील कछवाय, अभिषेक शर्मा, वीरेंद्र गोसर, सतीश मरमट, कमल चौहान, सत्यनारायण पंवार, निखिल गोठवाल, जितेंद्र चौधरी, दीपेश जैन, बबलू खींची, राजेंद्र राठौर, वीरेंद्र शर्मा, हेमंत कोली, महेंद्र कडेला, सोनिया ठाकुर, लीला बाई परिहार, नीलम विश्वास, रश्मि त्रिवेदी, मनोज त्रिवेदी, देवीलाल लोहरिया, रमेश सांखला, प्रकाश सोलंकी, मेहताब लाला, लकी ठाकुर, अर्पित यादव, चंदू यादव, लछमी नारायन उपाध्याय, सुनील जैन, संचित शर्मा आदि।

चैतन्य भैरू महाराजजी मंदिर का पूजा अर्चना कर किया स्थान परिवर्तन

उज्जैन। मक्सी रोड स्थित गणेशपुरा के चैतन्य भैरू महाराजजी मंदिर को मक्सी रोड फोर लेन में आने के कारण विधि विधान द्वारा पूजा अर्चना कर स्थान परिवर्तन किया गया।

जिसमें पार्षद एवं एमआईसी सदस्य जितेन्द्र कुवाल, नगर कार्यकारिणी सदस्य सुनील गोठवाल, समाजसेवी संजय गुप्ता, महेंद्र मरमट, सुरज वर्मा, कमलेश मरमट, लाल बिहारी गुप्ता, अजय गुप्ता, धर्मेंद्र गुप्ता, जितेंद्र ठाकुर, पप्पू महाराज, पवन रायकवार, सुरेंद्र शिवालिया, अमन पाल, अभिषेक पाल, प्रकाश यादव आदि।

उज्जैन जिला रायफल एसोसिएशन ने किया शस्त्र पूजन

उज्जैन। उज्जैन जिला रायफल एसोसिएशन द्वारा विजयादशमी पर्व पर शस्त्र पूजन किया गया।

संस्था के प्रशिक्षक अक्षय सिंह ने बताया कि उज्जैन जिला रायफल एसोसिएशन ने लगातार 11वें वर्ष शस्त्र पूजा के माध्यम से बच्चों के आगामी प्रतियोगिता में उच्च प्रदर्शन करने की कामना की गई। संस्था का प्रदर्शन विगत 11 सालों में निरंतर उंचाईयों को छू रहा है जिसमें दो अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी, 123 राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी, 270 से अधिक राज्य स्तरीय खिलाड़ियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है। संस्था ने अपने प्रशिक्षण केंद्र खंडेलवाल नगर में इस वर्ष पूजा का आयोजन किया। अक्षय सिंह ने बताया कि 30 अक्टूबर से 8 नवंबर तक संस्था के 14 खिलाड़ी आगामी ऑल इंडिया जीवी माउलंगर शूटिंग चैम्पियनशिप में सहभागिता करेंगे। वहीं दिसंबर से जनवरी के मध्य में पुरस्कार राशि की प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएगी।

माधव साइंस कॉलेज में मनाई राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जयंती, स्वच्छता सेवा पखवाड़ा का हुआ समापन

उज्जैन। शासकीय माधव विज्ञान महाविद्यालय में गांधी जयंती के अवसर पर अशोक कड़ेल निदेशक मध्यप्रदेश ग्रंथ अकादमी के मुख्य आतिथ्य में 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2025 तक आयोजित स्वच्छता सेवा पखवाड़ा का समापन हुआ।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. हरीश व्यास ने मुख्य अतिथि अशोक कड़ेल का स्वागत किया। महाविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी डॉ. आरके तिवारी और डॉ. राजकुमार नीमा ने सूत की माला से मुख्य अतिथि अशोक कड़ेल का स्वागत किया। डॉ. मनमीत कौर मक्कड़ ने अशोक कड़ेल का तुलसी का पौधा भेंट कर स्वागत किया। इस अवसर पर अशोक कड़ेल ने गांधी जी के विचार एवं समसामयिक प्रासंगिकता पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि महात्मा गांधी जी के विचार शाश्वत हैं, कालतीत है एवं विश्वव्यापी हैं। उनका स्वच्छता का संदेश, सत्य और अहिंसा का चिंतन एवं प्रयोग आत्म-निर्भरता का बीज मंत्र आज भी प्रासंगिक है। अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. हरीश व्यास ने कहा महात्मा गांधी स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन अग्रदूत तो हैं ही समाज सुधारक भी हैं। वह स्थायी समाधान चाहते थे। इस अवसर पर अनामिका शर्मा ने वैष्णवजन तो तेणे कहिए÷ की सांगीतिक प्रस्तुति एवं एनसीसी के छात्र सैनिक गौतम दमामी ने ÷सत्य के प्रयोग÷ के एक अंश का वाचन किया स एनसीसी अधिकारी डॉ. प्रमिला बघेल एवं एन एस एस अधिकारी डॉ. प्रदीप लाखरे के संयुक्त तत्वावधान में महाविद्यालय में 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2025 तक महाविद्यालय में सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। एनसीसी छात्र सैनिक एवं एनएसएस छात्रों के द्वारा सफाई अभियान और मानव श्रृंखला बनाकर स्वच्छता का संदेश दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. शशि जोशी द्वारा किया गया। आभार एनसीसी छात्र सैनिक हर्ष परिहार द्वारा किया गया। गांधी जयंती के अवसर पर समस्त महाविद्यालय परिवार और एनसीसी कैडेट्स उपस्थित थे।

स्वदेशी अपनाने के संकल्प के साथ हुआ सेवा पखवाड़े का समापन

उज्जैन। सत्य, अहिंसा, स्वच्छता और स्वदेशी के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया गया।

महाविद्यालय में गांधी जयंती एवं सेवा पखवाड़ा समापन समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. अजय भार्गव द्वारा महात्मा गांधी के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। तत्पश्चात प्राचार्य द्वारा सत्य, अहिंसा, एवं स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। सेवा पखवाड़ा प्रभारी डॉ. मोनिका परमार ने 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2025 तक आयोजित गतिविधियों का संक्षिप्त प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। पखवाड़े के अंतर्गत व्याख्यान सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

गांधी जयंती के अवसर पर डॉ. मनीष परमार ने महात्मा गांधी के जीवन के विविध प्रेरक वृतांतों पर प्रकाश डालते हुए उनकी प्रासंगिकता को रेखांकित किया। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य डॉ. अजय भार्गव ने छात्राओं को सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलने, जीवन में स्वच्छता को अपनाने तथा स्वदेशी वस्तुओं के प्रयोग से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ने हेतु प्रेरित किया। सभी प्राध्यापकों ने सुंदर स्वर लहरी में महात्मा गांधी का पसंदीदा भजन वैष्णव जन तो तेने कहिए गाकर गांधी जी को स्वरांजलि दी। आभार डॉ. मोनिका परमार ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में समस्त महाविद्यालयीन परिवार की उपस्थिति रही।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com